दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-157, भोपाल, गुरुवार 21 अप्रैल 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

सुविचार

"यदि आप चाहते हैं कि आपका बच्चा सही मार्ग पर चले, तो केवल उसे सही मार्ग की जानकारी प्रदान न करें, बल्कि उस पर चल कर भी दिखाएं।"
- जे ए रोसेनक्रांज

मोदी ने किया डब्लयूएचओ चीफ का नामकरणः डॉ. टेड्रोस ने कहा -

मैं गुजराती हो गया हूं, पीएम बोले- तो आज से आपका नाम तुलसी भाई

गांधीनगर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात के दौरे पर हैं। आज उन्होंने गुजरात की राजधानी गांधीनगर में वैश्विक आयुष निवेश और नवाचार शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया। यह सम्मेलन सुबह 11 बजे से शुरू हुआ। इस मौके पर क्करूमोदी ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख डॉ टेड्रोस गेब्रेयेसस का नाम तुलसी भाई रख दिया।

डॉ टेड्रोस ने मोदी से कहा- मैं गुजराती हो गया हूं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब बोलने उठे तो उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा, 'डब्लयूएचओ के डायरेक्टर डॉ टेड्रोस मेरे बहुत अच्छे मित्र हैं। वह मुझे बता रहे थे कि उन्हें भारत के टीचर ने पढ़ाया है। आज डॉ. टेड्रोस कह रहे थे, मैं पक्का गुजराती हो गया हूं। मेरा कोई गुजराती नाम रख दो। इसके चलते मैं आज से अपने दोस्त का नाम 'तुलसी भाई' रखता हूं।' तुलसी नाम रखने के पीछे का कारण बताते हुए क्करू ने कहा - तुलसी एक ऐसा पौधा है, जो भारत की आध्यात्मिक विरासत में अहम जगह रखता है। इस मौके पर डॉ टेड्रोस के साथ मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ और भारत के आयुष ?मंत्री सर्वानंद सोनोवाल भी मौजूद रहे। वैश्विक आयुष निवेश और नवाचार शिखर सम्मेलन में गुजराती में बोलते हुए डॉ टेड्रोस ने कहा, 'मैं महात्मा गांधी की भूमि पर आकर खुद को सौभाग्यशाली मान रहा हूं।' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- यह पहली बार है जब आयुष क्षेत्र के लिए निवेश शिखर सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। मैंने इसके बारे में उस समय सोचा था जब कोविड का प्रकोप शुरू हुआ था। इस दौरान 'आयुष काढ़ा' और इसी तरह के अन्य उत्पादों ने लोगों की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद की है।

उन्होंने आगे कहा- इस साल अब तक 14 स्टार्टअप यूनिकॉर्न क्लब में शामिल हो चुके हैं। मुझे विश्वास है कि जल्द ही आयुष के क्षेत्र में यूनिकॉर्न स्टार्ट-अप्स उभरेंगे। प्रधानमंत्री ने बताया कि 2014 में आयुष क्षेत्र 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर का हुआ करता था, जो अब बढ़कर 18 बिलियन अमेरिकी डॉलर का हो गया है।

मशहूर निर्देशक टी रामा राव का निधन

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ और हिंदी सिनेमा के मशहूर निर्माता-निर्देशक टी रामा राव (तातिनेनी रामा राव) का निधन को गया है। टी रामा राव ने 83 साल की उम्र में आखिरी सांस ली है। बीते कुछ समय से टी रामा राव उम्र संबंधी बीमारी की वजह से चेन्नई के एक निजी अस्पताल में भर्ती थे। रामा राव के परिवार वालों ने एक बयान के जरिए उनके निधन की खबर दी और बताया कि दिग्गज फिल्मकार ने आज सुबह (20 अप्रैल) को आखिरी सांस ली है। टी रामा राव के निधन से साउथ और अलावा बॉलीवुड सिनेमा में भी शोक का माहौल है। उनका जन्म साल 1938 में आंध्र प्रदेश में हुआ था। टी रामा राव ने हिंदी और साउथ सिनेमा की मिलाकर अपने पूरे करियर में 70 से ज्यादा फिल्मों का निर्देशन किया था। उन्होंने 50 के दशक में बतौर सह निर्देशक साउथ सिनेमा में अपने करियर की शुरुआत की थी।

दिल्ली में भी मास्क पहनना अनिवार्य, नियम तोड़ने पर होगा 500 रुपये जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों मे तेजी से इजाफा होने के बीच दिल्ली वालों के लिए बड़ी खबर आ रही है। उत्तर प्रदेश और हरियाणा के कुछ शहरों में मास्क अनिवार्य होने के बाद अब दिल्ली सरकार ने भी कठोर कदम उठाया है। अब दिल्ली में मास्क नहीं पहनने पर लोगों को 500 रुपये का जुर्माना देना होगा। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण बुधवार को बुलाई गई बैठक में यह निर्णय लिया गया है। उपराज्यपाल अनिल बैजल की अध्यक्षता में बुधवार को हुई दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक में कोरोना के मद्देनजर स्कूलों के लिए नए सिरे से एसओपी जारी की जाएगी। इसके साथ ही अगर सार्वजनिक स्थल पर किसी ने मास्क नहीं पहना है तो उस पर 500 रुपये जुर्माना लगाया जाएगा। गौरतलब है कि देश की राजधानी में मंगलवार को 24 घंटे के दौरान कोरोना के 632 नए मामले सामने आए। वहीं, संक्रमण दर 7.72 से घटकर 4.42 प्रतिशत पर आ गई। 24 घंटे में 414 मरीज ठीक हुए।

सुप्रीम कोर्ट के ऑर्डर के 2 घंटे बाद पूरी तरह रोकी गई अवैध निर्माण ढहाने की कार्रवाई, सुनवाई कल होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। जहांगीरपुरी में बुधवार को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने अवैध निर्माण गिराने की कार्रवाई शुरू की। एक घंटे के भीतर ही सुप्रीम कोर्ट ने इस ऑपरेशन पर रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट उस याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया है, जिसमें दंगे के आरोपियों के घर गिराने का विरोध किया गया है। अदालत ने कहा कि कल सुनवाई तक जहांगीरपुरी में यथास्थिति बरकरार रखी जाए। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद जहांगीरपुरी में एमसीडीकी कार्रवाई कुछ जगहों पर जारी थी। जब याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट को इस बात की जानकारी दी तो सीजेआई एनवी रमना ने तुरंत रजिस्ट्रार को आदेश दिया कि एमसीडी, दिल्ली पुलिस और मेयर तक हमारा आदेश तुरंत पहुंचाया जाए। सुप्रीम कोर्ट के पहले ऑर्डर के करीब 2 घंटे बाद निगम की कार्रवाई पूरी तरह रोकी गई। जब ऑपरेशन बुलडोजर को लेकर दिल्ली के स्पेशल पुलिस कमिश्नर दीपेंद्र पाठक से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर म्युनिसिपल कॉरपोरेशन फैसला लेगी। हम यहां पर एमसीडी को सुरक्षा और मदद पहुंचाने के लिए मौजूद हैं।

कांग्रेसः बुलडोजर से सिर्फ मकान ध्वस्त नहीं हो रहे, आपका-हमारा संविधान ध्वस्त हो रहा है! राहुल गांधी ने कहा कि नफरत का बुलडोजर चलाना बंद करो, पावर प्लांट शुरू किया जाए।

आप : देश भर में दंगे हो रहे हैं। जगह जगह गुंडई और लफंगई हो रही है। ये सभी दंगे भाजपा करवा रही है। हम गारंटी देते हैं, भाजपा हेडक्वाटर पे बुलडोजर चला दो, पूरे देश के दंगे रुक जाएँगे।

कुमार विश्वास के घर पंजाब पुलिस, सबूत समेत 26 अप्रैल को रोपड़ थाने बुलाया

चंडीगढ़, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के खिलाफ टिप्पणियों के मामले में पंजाब पुलिस मशहूर कवि कुमार विश्वास के घर पहुंची। विश्वास ने खुद उनके गाजियाबाद स्थित घर पहुंची पुलिस की तस्वीरें पोस्ट की हैं। उनके खिलाफ थाना सदर रोपड़ में केस दर्ज किया गया है। पुलिस की एक टीम उन्हें नोटिस तामील करने पहुंची और उन्हें 26 अप्रैल को रोपड़ थाने में पेश होने को कहा गया है। रोपड़ के एसपी (डी) हरबीर अटवाल ने इसकी पुष्टि की। पुलिस ने विश्वास को कहा कि उन्होंने केजरीवाल पर खालिस्तान समर्थक होने के आरोप लगाए थे, उसके संबंध में सबूत पंजाब पुलिस को देकर जांच में सहयोग करें। इसी केस में अलका लांबा को भी नोटिस जारी कर पेश होने को कहा गया है। खास बात यह है कि पुलिस ने इस मामले में शिकायतकर्ता का नाम छुपा रखा है।

कुमार विश्वास पर केस दर्ज, अलका लांबा का भी नाम शामिल

कुमार विश्वास के खिलाफ पंजाब के रोपड़ जिले के थाना सदर में केस दर्ज किया गया है। उनके खिलाफ आईपीसी की धारा 153, 153ए, 505, 505(2),116 डब्ल्यू/2, 143, 147, 323, 341, 506 और 120बी और 125 रिप्रजेंटेशन ऑफ पीपुल्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। रोपड़ सदर थाने के इंस्पेक्टर सुमित मोर की अगुआई में पंजाब पुलिस ने कुमार के मैनेजर को नोटिस रिसीव करवाया है। इसी एफआईआर में कांग्रेस नेता अलका लांबा को भी शामिल किया गया है। लांबा पर भी यही आरोप है कि उन्होंने अलग-अलग चैनलों में इंटरव्यू देकर केजरीवाल के खिलाफ भड़काऊ बयान दिए। आप पर अलगाववादी तत्वों के साथ संबंध के आरोप लगाए। जिससे पंजाब का माहौल खराब होने की आशंका है। लांबा के घर के बाहर भी नोटिस लगा दिया गया है। इस नोटिस पर अलका लांबा ने कहा कि पंजाब पुलिस घर की दीवार पर नोटिस चिपका कर गई है और जाते जाते आप की भगवंत मान सरकार की ओर से धमकी भी देकर गई है कि अगर 26 अप्रैल को थाने में पेश नहीं हुई तो अंजाम बुरा होगा।

नरोत्तम का तंज- जो जनता से नहीं सीखें, उन्हें अब पीके सिखाएंगे

भोपाल। मध्य प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा का कांग्रेस और रणनीतिकार प्रशांत कुमार को लेकर बड़ा बयान सामने आया है।चुनाव जीतने के लिए फिर रणनीतिकार प्रशांत कुमार उर्फ पीके के शरण मे पहुंची एमपी कांग्रेस पर नरोत्तम मिश्रा ने तंज कसते हुए कहा है कि इस बार पीके आये है तो कांग्रेस को पूरी तरह लेटा कर ही जायेंगे। जो कांग्रेसी जनता से नही सीखें, उन्हें पीके क्या सिखा पायंगे यह समझा जा सकता है। पीके हो या कोई और कोई भी कांग्रेस को चुनाव नही जिता सकते है। कारण जो कांग्रेसी जनता से नही सीख पाए उन्हें कोई नही सिखा सकता है।

खरगोन घटना पर नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि खरगोन का कोई भी गुनहगार कानून के शिकंजे से बच नहीं पाएगा।वीडियो फुटेज की मदद से अबतक 154 लोग गिरफ्तार कर लिए गए हैं।दो आरोपियों - मोहसिन और नवाज - पर रासुका के तहत कार्रवाई की गई है। इन दोनों का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड भी है।पत्थर फेंकने वाले तेजू नाम के आरोपी को इंदौर से गिरफ्तार कर लिया गया है।खरगोन एसपी पर गोली चलाने वाले की भी पहचान हो गई है।

नरोत्तम मिश्रा ने आगे कहा कि समाज के दुश्मनों का कोई धर्म नहीं होता। ऐसे लोग दंगाई होते हैं और दंगाइयों के साथ जैसी सख्ती की जानी चाहिए वैसी ही की जा रही है।वही नए वेरिएंट को लेकर कहा कि कोरोना के नए एक्सई वेरिएंट को लेकर सरकार पूरी तरह अलर्ट है और इसकी पहचान के लिए प्रदेश में जीनोम सिक्वेंसिंग की जा रही है।पिछले 24 घंटों में प्रदेश में कोरोना संक्रमण के 6 नए केस आए हैं, वहीं 10 मरीज ठीक हुए हैं।वर्तमान में प्रदेश में कुल एक्टिव केस 45, संक्रमण दर 0.08 प्रतिशत और रिकवरी रेट 98.70 प्रतिशत है।

कांग्रेस को जमकर घेरा

गृह मंत्री डॉ मिश्रा ने कहा कि 2017 में भी यूपी चुनाव में यही प्रशांत कुमार यानी पीके कांग्रेस की जिताने की रणनीति बनाकर आये थे परिणाम सबको मालूम है कांग्रेस को सात सीटे भी नही मिली थी ।उस समय उन्होंने राहुल गांधी की खाट पर चर्चा की रणनीति बनाई बनाई थी उस रणनीति ने कांग्रेस की खाट ही खड़ी करके रख दी थी। इस बार यही पीके फिर रणनीति बनाने आये है इस बार तो वह की कांग्रेस को पूरी तरह लेटा कर ही जायँगे। पूरी जिंदगी कांग्रेस व राजनीति को देने वाले बुजुर्ग कांग्रेसियों को अब प्रशांत कुमार से चुनाव जीतने के गुण सीखने पड़े रहे है ।इससे बुरी दुर्गति वाले दिन इन कांग्रेस नेताओं के कभी नही आये होंगे।

भजन की उम्र में गजल गा रहे कमलनाथ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ द्वारा पूर्व प्रदेश अध्यक्षों व अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक कर चुनाव रणनीति बनाने के सवाल पर डॉ नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि कलमनाथ जी व दिग्विजय सिंह जी दोनों बुजुर्ग नेता एक दिन पहले ही दिल्ली से प्रशांत कुमार से रणनीति सीख कर आये है वही रणनीति आज अपने नेताओं को बताएंगे। खुद उनके पास तो चुनाव जीतने की कोई रणनीति न पहले थी न अब है ।वही कमलनाथ द्वारा अधिकारियों को धमकाने पर गृह मंत्री डॉ मिश्रा ने कहा है कि यह अच्छी बात नही है। आशीर्वाद देने की उम्र में बुजुर्ग कमलनाथ धमकी दे रहे है ।कमलनाथ जी को भजन गाने की उम्र में गजल गाना शोभा नही देता है।

कांग्रेस में प्रशांत किशोर का रोल तयसोनिया दे सकती हैं रणनीति और गठबंधन का जिम्मा

नई दिल्ली, एजेंसी। 6 महीने तक चले बैठकों और मुलाकातों के दौर के बाद अब कांग्रेस में प्रशांत किशोर की एंट्री करीब-करीब तय मानी जा रही है। छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल बुधवार को दिल्ली पहुंचे हैं। वे कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात करेंगे और प्रशांत किशोर के मसले पर बात करेंगे। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी कहा है कि प्रशांत किशोर जैसे स्ट्रैटजिस्ट का अनुभव कांग्रेस के लिए फायदेमंद होगा।

सूत्रों के मुताबिक, प्रशांत किशोर को पार्टी महासचिव का रोल दिया जा सकता है। वे स्ट्रैटजी और अलायंस पर काम करेंगे। अगर ऐसा होता है तो कांग्रेस में पहली बार इस तरह के पद बनाए जाएंगे। यानी 2024 लोकसभा चुनाव के लिए प्रशांत कांग्रेस की चुनावी रणनीति और दूसरी पार्टियों के साथ गठबंधन पर फैसला करेंगे। अक्टूबर 2021 में राहुल-प्रियंका से मुलाकात में प्रशांत किशोर ने पार्टी में अपनी भूमिका का जिक्र किया था। उस वक्त पार्टी के फैसले लेने वाली सबसे बड़ी बॉडी कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्यों के विरोध की वजह से प्रशांत किशोर की एंट्री टल गई थी, लेकिन अब प्रशांत के कांग्रेस में शामिल होने और उनकी भूमिका को लेकर हाईकमान की मुहर लगभग लग चुकी है। स्ट्रैटजी और अलायंस की भूमिका में आते ही प्रशांत के जिम्मे दो बड़े काम होंगे।

प्रशांत विधानसभा और लोकसभा चुनाव में पार्टी के लिए रणनीति तैयार करेंगे। राज्य के प्रभारी से सीधे कनेक्ट होकर रणनीति को अमल में लाएंगे।

प्रशांत किशोर कांग्रेस में गठबंधन सहयोगियों के साथ बातचीत और सीट बंटवारे का काम देखेंगे। वे इसकी रिपोर्ट सीधे कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को करेंगे।

केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा-कोरबा में हो रही कोयले की चोरीः अश्वनी चौबे बोले-

भ्रष्टाचारियों को दंडित करे राज्य सरकार, जमीन हमारी नहीं कांग्रेस की खिसक रही

बिलासपुर, एजेंसी। केंद्रीय वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री अश्वनी चौबे ने राज्य के अधिकारियों के रवैए पर सवाल उठाया है। छत्तीसगढ़ दौरे पर पहुंचे चौबे ने बुधवार को बिलासपुर में कहा कि गरीब, कल्याण अन्न योजना की खुलेआम चोरी हो रही है। कोरबा में महिलाएं उनके पास शिकायत लेकर आई थीं कि उन्हें योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। इस संबंध में जानकारी लेकर दोषियों पर कार्रवाई करने के लिए मुख्यमंत्री को ट्वीट किया है।

उन्होंने कहा कि 2016 से प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में आकांक्षी जिलों का दौरा चल रहा है। एक सवाल के जवाब पर उन्होंने कहा कि रही बात जमीन खिसकने की तो जमीन कांग्रेस की खिसक रही है, जमीन उन्हें चाहिए। हमें जमीन नहीं, जमींदारी नहीं। जमीन की हकीकत चाहिए। केंद्रीय राज्यमंत्री अश्वनी चौबे कोरबा जिले का दौरा करने के बाद बुधवार को बिलासपुर पहुंचे थे। यहां एसईसीएल गेस्ट हाउस में उन्होंने एसईसीएल और एनटीपीसी के अफसरों के साथ ही वन, पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन विभाग के क्षेत्रीय अधिकारियों की बैठक ली। इसमें प्रमुख रूप से एयर पॉल्यूशन, फ्लाई ऐश के निपटान और कोल प्रोडक्शन को लेकर चर्चा हुई। मंत्री चौबे ने खासकर कोरबा क्षेत्र में एयर पॉल्यूशन, फ्लाई ऐश के निपटाने और कोल चोरी को लेकर बैठक में नाराजगी जताई। बैठक के बाद मीडिया से चर्चा में उन्होंने कहा कि कोरबा में अपार संभावनाएं हैं। लेकिन, वर्तमान में कोरबा उन 132 शहरों में शामिल है, जहां प्रदूषण सर्वाधिक है।

कोयला चोरी रोकने दिए निर्देश

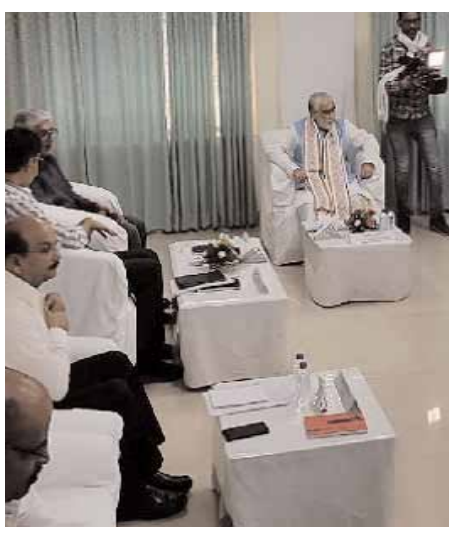

उन्होंने का कि यही नहीं कोरबा में कोयले चोरी होने की जानकारी मिली है। कोयला चोरी और फ्लाई ऐश के निपटान की भी बड़ी समस्या है। उन्होंने बताया कि एसईसीएल एनटीपीसी और बालको सहित अन्य संस्थाओं को एयर पॉल्यूशन कम करने की दिशा में काम करने के कड़े निर्देश दिए गए हैं। मंत्री चौबे ने कहा कि कोरबा भ्रमण के दौरान लोगों व जनप्रतिनिधियों से कई शिकायतें मिली हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण पर नियंत्रण के लिए पहले उद्योगों से प्रदूषण को आधुनिक तकनीक से ठीक करने की दिशा में काम किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने जनजातीय समूह व स्थानीय लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए योजना बनाने और उद्योग स्थापित करने के भी निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

कोयले को लेकर राज्य सरकार पर साधा निशाना

केंद्रीय मंत्री अश्वनी चौबे ने केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन और कोयले को लेकर राज्य सरकार पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार किसी भी नीति में असफल नहीं है। कांग्रेस सरकार और आज की मोदी सरकार में जमीन आसमान का अंतर है। कांग्रेस के राज्य में कोई नीति और कोई नियम नहीं था। अभी मोदी के नेतृत्व में अब नीति भी है और नियम के साथ अच्छे विचार भी हैं।

केंद्रीय योजनाओं का हो रहा बंदरबाट

केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण गरीब कल्याण अन्य योजना में खुलेआम बंदरबाट और चोरी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाएं रो रही हैं, गरीबों को चावल नहीं मिल रहा है। इस पर हमारी निगाह है। हमने ट्वीट कर प्रदेश सरकार से दोषियों को दंडित करने के लिए कहा है।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री ने छात्राओं की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने खण्डवा जिले में ओंकारेश्वर के पास ग्राम कोठी के निकट नहर में डूबने से चार छात्राओं की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान देने और परिवार को यह असीम दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

पीएमएवाय (शहरी) के 11 हजार 53 हितग्राहियों को 96 करोड़ से अधिक की राशि जारी

भोपाल। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) में बी.एल.सी. घटक के आवास निर्माण के लिए 16 अप्रैल 2022 तक की गयी जिओटेगिंग के आधार पर 96 करोड़ 90 लाख 96 हजार 500 रूपये विभिन्न किस्तों के रूप में जारी किये गए हैं। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने निर्देशित किया है कि सभी स्वीकृत आवासों को समय-सीमा में पूरा करवायें। अपर आयुक्त सह मिशन संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास डॉ. सतेन्द्र सिंह ने जानकारी दी है कि 6 हजार 145 हितग्राहियों को प्रथम किस्त की राशि 61 करोड़ 45 लाख रूपये, 21 हजार 85 हितग्राहियों को द्वितीय किस्त की राशि 21 करोड़ 85 लाख रूपये और 2 हजार 723 हितग्राहियों को तृतीय किस्त की राशि 13 करोड़ 60 लाख 96 हजार 500 रूपये जारी की गयी है।

12 सालों में नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन में 32 गुना वृद्धि

भोपाल। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री हरदीप सिंह डंग ने बताया कि मध्यप्रदेश ने शानदार उपलब्धि हासिल करते हुए पिछले 12 सालों में ग्रीन ऊर्जा उत्पादन में 32 गुना प्रगति की है। लोकहित को सर्वोपरि मानते हुए प्रदेश में नवीन ऊर्जा के सुनियोजित विकास के लिये वर्ष 2010 में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग का गठन किया गया था। मंत्री श्री डंग ने बताया कि वर्ष 2010 में 160 मेगावॉट उत्पादित क्षमता से अब तक हम 5 हजार 152 मेगावॉट से अधिक नवकरणीय ऊर्जा प्रदेश में स्थापित कर चुके हैं। इसमें 2 हजार 444 मेगावॉट पवन ऊर्जा, 2 हजार 490 मेगावॉट सौर ऊर्जा, 119 मेगावॉट बायोमास ऊर्जा और 99 मेगावॉट लघु जल विद्युत परियोजना का योगदान शामिल है। देश की वृहदतम 750 मेगावॉट क्षमता की रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर परियोजना से दिल्ली की मेट्रो ट्रेन को गति मिल रही है। मध्यप्रदेश के लिये यह योजना मील का पत्थर साबित हुई है। इस योजना के निर्माण से राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय निवेशकों का मध्यप्रदेश के प्रति भरोसा बढ़ा है।

भोपाल में भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष ने आदिवासी युवक को खूब पीटा

मारपीट की रिपोर्ट लिखाई तो की सामूहिक पिटाई

भोपाल

भोपाल के कमला नगर इलाके में आदिवासी युवक के साथ भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष अर्जुन यादव ने साथियों के साथ मिलकर मारपीट कर दी। इसकी थाने में स्न्ढ्क्र कराकर युवक घर पहुंचा। यह बात जैसे ही अर्जुन को पता लगी, वह 8-10 लड़कों के साथ युवक के घर पहुंच गया। युवक को घर से बाहर निकाल कर सभी ने हमला कर दिया। घटना का वीडियो सामने आया है। पीड़ित युवक ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने उसकी बहन का मोबाइल तक छीन लिया। हालांकि बाद में वापस लौटा दिया। कमला नगर पुलिस ने युवक की शिकायत पर दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज की है। इसमें मारपीट समेत अनुसूचित जनजाति निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। पीपल चौराहा प्रेमपुरा घाट के पास रहने वाला अजय उइके (20) होटल में जॉब में करता है। 15 अप्रैल की रात वह अपनी बहन के साथ करोंद में

शादी समारोह अटेंड कर घर लौट रहा था। उसने पुलिस को बताया कि घर आने के बाद वह दूध लेने गया। रास्ते में भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष अर्जुन यादव ने उसे रोक लिया। धमकाया कि क्या ताक-झांक कर रहा है। इसके बाद गाली-गालौज शुरू कर दी। इसका जब उसने विरोध किया तो अर्जुन के साथ खड़े दो लोगों ने मारपीट कर दी। घर पहुंचकर यह बात अजय ने परिजन को बताई। वह अपनी बहन के साथ कमला नगर थाने में एफआईआर लिखाने पहुंचा। एफआईआर कराकर रात सवा दो बजे के करीब घर लौटा। इसी बीच अर्जुन यादव 8-10 लड़कों को लेकर उसके घर पहुंच गया। अजय ने आरोप लगाया कि उसे घर से बाहर निकालकर सभी ने उस पर दोबारा हमला कर दिया। अजय का कहना है कि उसकी बहन ने बीच-बचाव किया। इस पर आरोपी ने उसका मोबाइल छीन लिया। उसके साथ भी धक्कामुक्की कर दी।

पुलिस ने अजय की शिकायत पर ने अभिषेक यादव, अर्जुन यादव, उमेश यादव, सोहिल यादव, किशन सिसौदिया, विकास, केतन, नकुल मारण समेत 8 लोगों पर मामला दर्ज किया है। कमला नगर थाना प्रभारी विजय सिंह सिसौदिया ने बताया कि अजय की शिकायत पर दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई हैं।

भाजपा से जुड़ा अर्जुन यादव

अजय उइके ने पुलिस को बताया कि अर्जुन भाजपा का पूर्व मंडल अध्यक्ष रहा है। वह आपराधिक प्रवृत्ति का है। इलाके में अपनी धौंस जमाने के लिए लोगों को अक्सर डराता-धमकाता है। उसके गैंग में शामिल लड़के आए रोज लोगों के साथ मारपीट करते हैं। इससे लोगों के बीच इनका भय व्याप्त है।

जल जीवन मिशन से करीब 49 लाख ग्रामीण परिवारों के घर पहुँचा नल से जल

35 हजार से अधिक ग्रामों की जल-प्रदाय योजनाएँ प्रगतिरत

भोपाल

जल जीवन मिशन में प्रदेश के सभी ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन से जल उपलब्ध करवाने के लिए जल-प्रदाय योजनाओं के कार्य जारी हैं। अब तक 48 लाख 94 हजार 774 ग्रामीण परिवारों तक नल से जल मुहैया करवाया जा चुका है। मिशन में ग्रामीण क्षेत्र में संचालित स्कूल और आँगनवाड़ी में भी नल कनेक्शन दिए जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्र के 69 हजार 984 स्कूल और 40 हजार 680 आँगनवाड़ी केन्द्रों में जल पहुँचाया जा चुका है, जो लक्षित संख्या का लगभग 60 प्रतिशत है। मिशन में जल प्रदाय योजनाओं को पूरा कर 4 हजार 325 ग्रामों के शत-प्रतिशत घरों में नल कनेक्शन से जल की सुविधा दी गई है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और जल निगम प्रदेश में विभिन्न जल संरचनाओं पर निरंतर कार्य कर रहे हैं, जिससे शत-प्रतिशत ग्रामीण परिवारों तक जल पहुँचाना संभव हो सके। प्रदेश में ग्रामीण आबादी के आकलन के अनुसार एक करोड़ 22 लाख ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन दिए जाने का लक्ष्य है, इनमें 40 प्रतिशत से ऊपर लक्ष्य प्राप्त किया जा चुका है।

प्रदेश के 35 हजार 684 ग्राम के हर घर में नल से जल प्रदाय करने के लिए निरंतर कार्य जारी है। इनमें 3537 ग्राम की जल-प्रदाय योजनाओं की 90 प्रतिशत, 2141 ग्रामों की 80, 1777 ग्राम की 70 और 28 हजार 229 ग्राम की प्रगति 60 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट के डायरेक्टर श्री बालाजी श्रीवास्तव ने पुष्प-गुच्छ भेंट कर अभिवादन किया।

मुख्यमंत्री चौहान ने सप्तपर्णी और बादाम का पौधा लगाया

भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज स्मार्ट सिटी उद्यान में गिव भारत वेलफेयर फाउंडेशन के साथ सप्तपर्णी और बादाम के पौधे लगाए। सदस्यों सर्वश्री आदित्य शर्मा, अंकित तिवारी, कौस्तुभ भिड़े और पारस वाजपेयी ने भी पौध-रोपण किया। गिव भारत वेलफेयर फाउंडेशन एक समाजसेवी संस्थान है, जो बीते कोरोना काल से लेकर अभी तक कई रूपों में समाज की सेवा कर रहा है। साथ ही आवश्यकता के अनुरूप बेसहारा लोगों, गरीबों एवं बुजुर्गों को दवा और भोजन पहुँचाने का कार्य भी किया जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली बालिकाओं की शिक्षा संबंधी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आर्थिक तौर पर भी सहायता की जाती है।

मध्यप्रदेश के अति सघन वन क्षेत्र में हुई 63 प्रतिशत की वृद्धि : वन मंत्री डॉ. शाह

भोपाल

वन मंत्री डॉ. कुँवर विजय शाह ने कहा है कि मध्यप्रदेश में अति सघन वन क्षेत्रफल में 63 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई है। वर्ष 2005 में 4239 वर्ग किलोमीटर अति सघन वन क्षेत्रफल था, जो अब बढ़कर 6665 वर्ग किलोमीटर तक हो चुका है। भारतीय वन सर्वेक्षण संस्थान देहरादून द्वारा वर्ष 2021 में प्रकाशित रिपोर्ट में इसका उल्लेख किया गया है।

15 हजार 608 वन समितियाँ

वन मंत्री डॉ. शाह ने बताया कि प्रदेश के 79 लाख 70 हजार हेक्टेयर वन क्षेत्र के वन प्रबंधन में जन-भागीदारी हेतु प्रदेश के 15 हजार 608 ग्रामों में वन समिति गठित है। वनों के प्रबंधन में आश्रित समुदायों की भागीदारी से सकारात्मक परिणाम आए हैं। जहाँ एक ओर दुनिया में प्राकृतिक वनों के ऊपर खतरा मंडरा रहा है। ऐसी स्थिति में भी प्रदेश में हजारों ग्राम समुदायों ने वन विभाग के साथ मिलकर बिगड़े वन क्षेत्रों को अच्छे वनावरणों वाले वन-क्षेत्रों में परिवर्तन का कार्य किया है। वन क्षेत्रों में हुई वृद्धि में प्रदेशवासियों खास तौर पर वन क्षेत्रों के आस-पास रहने वाले जनजातीय समुदायों की अहम भूमिका रही है।

वन समितियों को अब राजस्व का मिलेगा 20 प्रतिशत हिस्सा

वन मंत्री डॉ.शाह ने बताया कि प्रदेश में गठित वन समितियों को राजस्व का 20 फीसदी हिस्सा दिए जाने का निर्णय लिया गया है। इस व्यवस्था के कायम होने से वन समितियाँ आर्थिक रूप से मजबूत होंगी। खास तौर पर जनजातीय वर्ग को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि वन ग्राम को राजस्व ग्राम में परिवर्तन करने की माँग के दृष्टिगत मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देश पर राजस्व विभाग के साथ सैद्धान्तिक सहमति प्राप्त हो चुकी है। अब यथाशीघ्र इसकी प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी।

वन्य-प्राणी और वनस्पति संरक्षण में अग्रणी राज्य

मध्यप्रदेश के वन सागौन, साल जैसी बे-शकीमती इमारती लकड़ी और बाँस उत्पादन के मामले में देशभर में विख्यात हैं। साथ ही वन्य-प्राणियों के संरक्षण के मामले में भी अग्रणी राज्य बन गया है। सर्वाधिक 526 बाघों की उपस्थिति से प्रदेश को बाघ राज्य का गौरव हासिल है। देश में सर्वाधिक 3421 तेन्दुए, 2 हजार घड़ियाल और 772 भेडियों की मौजूदगी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र है।

एंटी माफिया अभियान में जबलपुर प्रशासन की बड़ी कार्यवाही

अवैध कब्जे से मुक्त कराई 14 करोड़ रूपये की शासकीय भूमि

भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देश पर प्रदेश में माफिया के विरुद्ध कार्यवाही का सिलसिला लगातार जारी है। माफिया विरोधी अभियान में आज जबलपुर प्रशासन द्वारा बड़ी कार्यवाही कर करीब 23 हजार वर्गफुट शासकीय भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया गया। मुक्त कराई गई शासकीय भूमि की कीमत लगभग 13 करोड़ 80 लाख रूपये है। आज हुई कार्यवाही में आधारताल तहसील के अंतर्गत मनमोहन नगर गायत्री मंदिर के पास उद्योग विभाग की 10 हजार वर्गफुट भूमि को गोहलपुर निवासी माफिया आसिफ के अवैध कब्जे से मुक्त कराया गया। आसिफ द्वारा इस शासकीय भूमि पर बाउंड्रीवाल एवं

सड़क निर्माण कर कब्जा कर लिया गया था, जिसे नगर निगम और पुलिस के सहयोग से हटा दिया गया। बाउंड्रीवाल की आड़ में यहाँ अनैतिक गतिविधियाँ भी संचालित की जाती थी। अतिक्रमण से मुक्त कराई गई इस शासकीय भूमि का बाजार मूल्य लगभग 6 करोड़ रुपये है, यहाँ बनाई गई कांक्रीट सड़क एवं बाउंड्रीवाल की कीमत लगभग 12 लाख रूपये आंकी गई है। एक अन्य कार्यवाही में राजेश खटीक के अवैध कब्जे से 3 हजार वर्गफुट भूमि को भी मुक्त कराया गया। राजेश खटीक द्वारा उद्योग विभाग को आवंटित भूमि के हिस्से पर अतिक्रमण कर गौ-शाला का निर्माण कर लिया गया था। अवैध कब्जे से मुक्त कराई गई इस भूमि की अनुमानित कीमत करीब 1.80 करोड़ रूपये बताई है। इसके साथ ही उद्योग विभाग को आवंटित भूमि में से 10 हजार वर्गफुट भूमि पचौरी पेट्रोल पंप के संचालक के कब्जे से मुक्त कराई गई। पेट्रोल पंप के संचालक को किसी अन्य व्यक्ति द्वारा यह भूमि बेच दी गई थी। इस भूमि की कीमत लगभग 6 करोड़ रूपये बताई गई है।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
मध्य भारत का एक विश्वसनीय दैनिक | 98 26 22 00 22

अर्थव्यवस्था, शिक्षा,
नियोजन, उद्भव,
पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात
आपके साथ

छत्तीसगढ़ के गोधन न्याय योजना को मिला राष्ट्रीय एलेट्स इनोवेशन अवार्ड

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी गोधन न्याय योजना को राष्ट्रीय स्तर पर एलेट्स एनोवेशन अवार्ड से सम्मानित किया गया है। एलेट्स आत्म निर्भर भारत समिट में छत्तीसगढ़ राज्य को कृषि में इनोवेशन केटेगरी में यह अवार्ड प्रदान किया गया। नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय एलेट्स आत्म निर्भर भारत समिट में आज 19 अप्रैल को एलेट्स टेक्नोमीडिया प्राईवेट लिमिटेड के संस्थापक, सीईओ एवं एडीटर इन चीफ श्री डॉ. रवि गुप्ता एवं टेक्सटाइल मंत्रालय भारत सरकार के सचिव श्री यू.पी. सिंह ने संयुक्त रूप से यह अवार्ड प्रदान किया गया। सचिव एवं राज्य नोडल अधिकारी छत्तीसगढ़ की ओर से यह अवार्ड संयुक्त संचालक श्री आर.एल. खरे ने प्राप्त किया। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल एवं कृषि मंत्री श्री रविन्द्र चौबे ने इस शानदार उपलब्धि के लिए प्रदेशवासियों, कृषि विकास, कृषक कल्याण और जैव प्रौद्योगिकी विभाग, गोधन न्याय मिशन के अधिकारियों-कर्मचारियों, गौठान समितियों एवं स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

यह यहां उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ सरकार की गोधन न्याय योजना को इससे पूर्व पर्यावरण संरक्षण और सतत् विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए 'स्कॉच गोल्ड अवार्ड' मिल चुका है।

स्कॉच ग्रुप द्वारा छत्तीसगढ़ की गोधन न्याय योजना को 20 मार्च 2021 को नई दिल्ली में यह अवार्ड प्रदान किया गया था। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की पहल पर 20 जुलाई 2020 हरेली पर्व से छत्तीसगढ़ में गोधन न्याय योजना प्रारंभ की गई। इस योजना में पशुपालकों और ग्रामीणों से 2 रूपए प्रति किलो की दर पर गोबर खरीदी की जा रही है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने प्रदेशवासियों और कृषि विभाग के अधिकारियों तथा कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा है कि छत्तीसगढ़ की गोधन न्याय योजना न सिर्फ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर रही है, अपितु अवार्डस् के माध्यम से इस योजना को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता भी मिल रही है।

एलेट्स आत्म निर्भर भारत समिट को सम्बोधित करते हुए गोधन न्याय योजना के संयुक्त संचालक श्री आर.एस. खरे ने कहा कि मात्र 20 माह की अवधि में इस योजना की खूबियों और लाभ ने देश- दुनिया का ध्यान छत्तीसगढ़ की ओर खींचा है। गोधन न्याय योजना छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की सोच और उनकी ही पहल का परिणाम है। मुख्यमंत्री जी, जो स्वयं किसान हैं और बचपन से ही खेती किसानी उनकी रुचि रही है।

गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं राज्यपाल

दृढ़ निश्चय और बुलंद हौसले के साथ कठिन राह आसान हो जाती हैः राज्यपाल सुश्री उइके

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने आज यहां बिलासपुर के गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित 9वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि दृढ़ निश्चय और बुलंद हौसले के साथ कठिन से कठिन राह भी आसान हो जाती है। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्द्धन करते हुए कहा कि समाज और राष्ट्र के प्रति भी हमारी जिम्मेदारियां होती है, जिनका निर्वहन हमें पूरी निष्ठा के साथ करना चाहिए। राज्यपाल ने 141 उत्कृष्ट विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल तथा 81 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की।

शिक्षा हमें संस्कारवान बनाती है

सुश्री उइके ने उपाधि प्राप्त करने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीक्षांत, दीक्षा का अंत नहीं है बल्कि यह दीक्षा का प्रारंभ है। इसके बाद जीवन के कर्म क्षेत्र में प्रवेश कर नए अनुभवों को सीखने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि अध्ययन का काल हमारे जीवन का अत्यंत महत्वपूर्ण समय होता है। इस समय हमारे अंदर संस्कारों का निर्माण और क्षमताओं का विकास होता है। शिक्षा हमें संस्कारवान, सौम्य और संयमी बनाती है। सुश्री उइके ने कहा कि ज्ञान ही वह अस्त्र है जो हमें जीवन की कठिनाईयों से लड़कर आगे बढ़ने की राह दिखाता है। ज्ञान अर्जन करने की कोई सीमा नहीं होती है और न ही यह उपाधियों तक सीमित होती है बल्कि यह आजीवन चलने वाली प्रक्रिया है। उन्होंने समस्त विद्यार्थियों से आव्हान किया कि उन्होंने इस विश्वविद्यालय से जो शिक्षा और ज्ञान ग्रहण किया है उसे इस अंचल के विकास में लगाएं। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे लोगों को शिक्षा के प्रति जागरूक कर समाज को सुसंस्कृत और सभ्य बनाने में अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

जीवन में लगातार परिश्रम करें

राज्यपाल सुश्री उइके ने कहा कि यह विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध समाज सुधारक और सतनाम पंथ के संस्थापक गुरू घासीदास जी के नाम पर स्थापित है। गुरू घासीदास जी ने हमेशा समाज के कमजोर वर्ग के उत्थान के लिये सद्मार्ग सुझाया। उन्होंने कहा कि मानवीय संवेदना के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा से करने पर जीवन में सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने जीवन में लगातार परिश्रम करें और आगे बढ़कर अपने लक्ष्यों को प्राप्त करें। साथ ही उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री डॉ. सुभाष सरकार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि एक आशावादी दृष्टिकोण आत्मविश्वास बढ़ाने में सहायता करता है। शिक्षा आपको इस योग्य बनाती है कि आप अपने जीवन, समाज और देश की समस्याओं को पहचान कर उनका निदान करने में सक्षम हो। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में मददगार साबित होगी। संत शिरोमणी गुरू घासीदास जी की विरासत से ओतप्रोत यह विश्वविद्यालय देश-विदेश में उच्च शिक्षा के एक महत्वपूर्ण केन्द्र के रूप में अपनी पहचान स्थापित करने में सफल होगा। समारोह को शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव श्री अतुल कोठारी,सांसद श्री अरूण साव एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रोफेसर श्री अशोक मोडक ने भी संबोधित किया।

कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल ने विश्वविद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि गुरूघासीदास के राज्य विश्वविद्यालय के केंद्रीय विश्वविद्यालय में उन्नयन के पश्चात निरंतर शोध में नवाचार और विकास को बढ़ावा दिया गया है। विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित शोध पत्रिकाओं में बड़ी संख्या में शोध प्रकाशित किए हैं

इस अवसर पर बेलतरा विधायक श्री रजनीश सिंह, अटल बिहारी विश्वविद्यालय के कुलपति श्री ए.डी.एन. वाजपेयी, पं. सुंदर लाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति श्री वंश गोपाल, शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय के कुलपति श्री नंद कुमार पटेरिया, कुलपति श्री आलोक कुमार चक्रवाल और कुलसचिव प्रोफेसर शैलेन्द्र कुमार के साथ विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं अध्यापकगण उपस्थित थे।

राज्यपाल आज राष्ट्रीय जनजातीय साहित्य महोत्सव के समापन कार्यक्रम में होंगी शामिल

रायपुर। राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय जनजातीय साहित्य महोत्सव का समापन 21 अप्रैल को शाम 7 बजे होगा। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राज्यपाल अनुसुईया उइके होगी। समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता केन्द्रीय राज्यमंत्री जनजातीय कार्य मंत्रालय रेणुका सिंह करेंगी और आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री डॉ.प्रेमसाय सिंह टेकाम विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। समापन कार्यक्रम में साहित्यकारों और शोधार्थियों से राज्यपाल का परिचय कराया जाएगा। महोत्सव के संबंध में प्रतिभागी अपने अनुभव साझा करेंगे। समापन अवसर पर जनजातीय बाल कलाकार सहदेव नेताम की गायन प्रस्तुति होगी। राष्ट्रीय जनजातीय साहित्य महोत्सव में शोध पत्र वाचन के पंचम सत्र में 21 अप्रैल को सुबह 10 बजे जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी- भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में इनका संघर्ष, भूमिका एवं योगदान पर शोध पत्र का वाचन शोधार्थी करेंगे। साहित्य परिचर्चा में छत्तीसगढ़ राज्य में जनजातीय साहित्य की स्थिति एवं संरक्षण हेतु उपाय और छत्तीसगढ़ी जनजातीय साहित्य (कथा, लोकोक्ति, काव्य का पठन) साहित्यकारों द्वारा किया जाएगा। संध्याकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम अंतर्गत शाम 5 बजे से जनजातीय जीवन पर आधारित काव्य नाट्य लमझना की प्रस्तुति होगी तथा जनजातीय नृत्य भी प्रस्तुत किए जाएंगे।

किसान भागीदारी प्राथमिकता हमारी अभियान के तहत फसल बीमा पाठशाला का भी होगा आयोजन

रायपुर। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आगामी 24 अप्रैल से 01 मई के बीच राज्य के सभी जिलों पीएम किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत पंजीकृत शत-प्रतिशत किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराने हेतु किसान भागीदारी-प्राथमिकता हमारी अभियान संचालित किया जाएगा। इस दौरान किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रावधानों, महत्व एवं लाभ तथा बीमा संबंधी जानकारी से जागरूक करने हेतु फसल बीमा पाठशाला का भी आयोजन गांवों में होगा। संयुक्त सचिव कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग छत्तीसगढ़ श्री के.सी. पैकरा ने कृषि, उद्यानिकी, बैंकर्स, ग्रीकल्चर इंश्योरेंश, बजाज एलायंज जनरल इंश्योरेंश के अधिकारियों को फसल बीमा पाठशाला के संबंध में संयुक्त सचिव एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

छाबड़ा ने दिव्यांग जसवंत को मोटराईज्ड ट्रायसायकल की चाबी सौंपी

महासमुन्द। छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष महेन्द्र छाबड़ा ने आज जिला कार्यालय महासमुंद में बागबाहरा विकासखण्ड के ग्राम खैरटखुर्द निवासी दिव्यांग श्री जसवंत निषाद को मोटराईज्ड ट्रायसायकल की चाबी सौंपी। बतादें कि कुछ दिन पूर्व ही श्री निषाद ने कलेक्टर निलेशकुमार क्षीरसागर से मुलाकात कर मोटराईज्ड ट्रायसायकल प्रदाय करने के लिए आवेदन किया था। इस पर कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग के उप संचालक श्रीमती संगीता सिंह को मोटराईज्ड ट्रायसायकल उपलबध कराने के निर्देश दिए गए थे। दिव्यांग श्री जसवंत निषाद को कुछ ही दिनों में मोटराईज्ड ट्रायसायकल मिलने पर वे काफी प्रसन्न थे। उन्होंने कहा कि राज्य शासन द्वारा दिव्यांगों के लिए संचालित योजनाओं के माध्यम से उन्हें जिला प्रशासन द्वारा शीघ्र ही लाभान्वित करने पर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल का आभार व्यक्त किया। वे आगे बताते है कि मोटराईज्ड ट्रायसायकल मिलने से अपने दिनचर्या के लिए दूसरे पर आश्रित होने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू आज बेमेतरा दौरे पर

बेमेतरा। प्रदेश के गृह जेल एवं लोकनिर्माण, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री ताम्रध्वज साहू गुरुवार 21 अप्रैल को शाम 4-30 बजे बेमेतरा जिले के बेरला तहसील के अन्तर्गत ग्राम पाहंदा में आयोजित भक्त माता कर्मा जयंती समारोह एवं सामूहिक आदर्श विवाह कार्यक्रम में शामिल होंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार गृह मंत्री साहू 21 अप्रैल को शाम 4 बजे ग्राम सेमरिया वि.ख. धमधा जिला दुर्ग से हेलीकाप्टर से रवाना होकर शाम 4-30 बजे ग्राम पाहंदा पहुंचेंगे। वहां आयोजित कर्मा जयंती समारोह में शामिल होने के पश्चात् शाम 5-30 बजे हेलीकाप्टर से रायपुर के लिए रवाना होंगे।

गर्मी के चलते भारवाही पशुओं का उपयोग प्रतिबंधित

बेमेतरा। जिले में भीषण गर्मी एवं तेज धूप की स्थिति को देखते हुए छ.ग. राज्य जीव जन्तु कल्याण बोर्ड रायपुर द्वारा एक आदेश जारी कर कृषि पशुओं को दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक भारवाही पशुओं पर सामग्री रखकर या सवारी हेतु उपयोग करने से अथवा टांगा, बैलगाड़ी, भैसागाड़ी पर वजन ढोने को प्रतिबंधित कर दिया है। यह आदेश पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण परिवहन एवं कृषिक पशुओं पर क्रूरता निवारण नियम 1965 के नियम 6(3) के तहत जारी किया गया है। इस संबंध में उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा गया है। आदेश में कहा गया है कि जिलों में प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच 37 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान निरंतर बना रहता है। इस दौरान भारवाही पशुओं के उपयोग करने से पशु अधिक तापमान से बीमार हो सकता है अथवा लू के कारण उनकी मृत्यु भी हो सकती है।

कलेक्टर जनचौपाल में मिले 40 आवेदन

बलौदाबाजार। कलेक्टर डोमन सिंह के निर्देश पर सँयुक्त जिला कार्यालय समेत जिले के अन्य सभी निर्धारित कार्यालयों में जनचौपाल का आयोजन किया गया।

जिला मुख्यालय में कुल 40 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें 27 को टोकन जारी कर समय सीमा के तहत दर्ज किए है। एवं 11 आवेदन सामान्य आवेदन प्राप्त हुए जिसका निराकरण करनें के निर्देश कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को दिए है। आवेदकों में विकासखंड बलौदाबाजार अंतर्गत ग्राम भरसेला बड़ा निवासी जीवराखन सेन ने वृद्धावस्था पेंशन हेतु,ग्राम रवान निवासी शम्भु पटेल ने राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना में नाम जुड़वाने, इसी तरह ग्राम मुड़ा के ग्रामीणों ने गांव में अतिक्रमण हटाने हेतु आवेदन किया। जिस पर कलेक्टर ने सम्बंधित विभागों को समय सीमा के भीतर आवेदनों को निराकरण के निर्देश दिए गए है। इस मौके पर अपर कलेक्टर ने 2 व्हील चेयर सहित एक हितग्राहियों को श्रवण यंत्र का वितरण किया गया। व्हील चेयर बलौदाबाजार विकासखंड अंर्तगत ग्राम दशरमा निवासी 16 वर्षीय लक्ष्मी चौहान,भाटापारा के ग्राम राजाद्वार निवासी रवि चन्द्र पाल एवं पलारी के ग्राम अमेरा निवासी धरमपाल दास को एक श्रवण यंत्र प्रदान किया गया। हितग्राहियों ने व्हीलचेयर एवं सामग्री मिलने पर सभी दिव्यांग हितग्राहियों ने जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस दौरान कलेक्टर डोमन सिंह ने हितग्राहियों सहित उनके परिवारजनों से बातचीत कर उनका जायजा लिया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर राजेन्द्र गुप्ता जिला पंचायत सीईओ डॉ फरिहा आलम सिद्की, डीएफओ के आर बढ़ई एवं उप संचालक समाज कल्याण आशा शुक्ला उपस्थित रही।

नायब तहसीलदार पर पुलिसिया कार्रवाई करने की मांग, पीड़ित ने की थाने में शिकायत

बिलासपुर। मस्तूरी के नायब तहसीलदार रमेश कुमार कमार के खिलाफ युवक ने पचपेड़ी थाना में शिकायत की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोप है कि नायब तहसीलदार ने किसानों से जमीन का रकबा बढ़ाने के नाम से अवैध वसूली किया था। मस्तूरी क्षेत्र के संजय निषाद ने अपनी शिकायत में बताया कि मस्तुरी तहसील में पदस्थ नायब तहसीलदार रमेश कमार द्वारा राजस्व कार्य के एवज में किसानो से पैसे लेने की शिकायत मिल रही थी। इस बीच एक विडियो रिकार्ड किया गया था।जिस पर नायब तहसीलदार किसान से महंगी अंग्रेजी शराब की मांग की थी। इस वीडियो के वायरल होने के बाद बिलासपुर कलेक्टर ने मामले में संज्ञान लेते हुए नायब तहसीलदार को 17 अप्रैल को तत्काल प्रभाव से हटा दिया। शिकायतकर्ता संजय ने पचपेड़ी थाना में शिकायत कर जांच करने की मांग की है। साथ ही दोषी के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने की बात कही है।

मंत्रालय में रक्तदान शिविरः 100 से अधिक अधिकारियों-कर्मचारियों ने किया रक्तदान

रायपुर। सूचना विज्ञान केन्द्र और इंडियन रेड क्रास सोसायटी द्वारा नवा रायपुर स्थित मंत्रालय (महानदी भवन) में बुधवार को रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर का शुभारंभ सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव श्री डी.डी. सिंह ने रक्तदानकर्ताओं को तिलक लगाकर किया।

इस अवसर पर संयुक्त सचिव सामान्य प्रशासन विभाग संजय अग्रवाल एवं राष्ट्रीय सूचना विज्ञान के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। मंत्रालय में पहली बार रक्तदान शिविर का आयोजित होने से अधिकारियों-कर्मचारियों में भारी उत्साह देखा गया। मंत्रालय के विभिन्न विभागों के एक सौ से अधिक अधिकारी-कर्मचारियों ने उत्साह से रक्तदान किया। भारतीय रेड क्रास सोसायटी के

छत्तीसगढ़ ईकाई के राज्य सलाहकार सुदीप श्रीवास्तव ने बताया कि मंत्रालय में विगत अक्टूबर माह में रक्तदान को प्रेरित करने के लिए मोटिवेशनल सेशन का आयोजित किया गया था। इस दौरान मंत्रालय एवं एनआईसी के अधिकारी कर्मचारियों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया गया था। उन्होंने बताया कि मंत्रालय के अधिकारी-कर्मचारियों ने रक्तदान की इच्छा जताई थी।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र नई दिल्ली के उप महानिदेशक और समन्वयक श्री संजय कपूर, राज्य सूचना विज्ञान केन्द्र के अधिकारी डॉ. अशोक कुमार होता, अतिरिक्त राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी एनआईसी मंत्रालय श्री टी.एन. सिंह, श्री पी. रामाराव, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी श्री पी.के. मिश्रा, तकनीकी निदेशक श्री मनीष कोचर, वैज्ञानिक बी. ऋषि राय और श्वेता चौबे शिविर में शामिल हुए। इस दौरान मंत्रालय के अधिकारी-कर्मचारियों का सराहनीय सहयोग रहा।

अंतरिक्ष युद्ध का गहराता खतरा

अंतरिक्ष में जिसका दबदबा रहेगा, वही दुनिया का सबसे बड़ा बादशाह बनेगा। पिछले वर्ष रूस ने अपने एक उपग्रह से मिसाइल हमला कर दूसरे उपग्रह को मार गिराया था। तब से रूस का यह कदम अंतरिक्ष को युद्ध के मोर्चे के रूप में बदलने की दिशा में एक बड़ी रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। यही नहीं चीन भी बहुत तेजी से अंतरिक्ष जंग के लिए अपने को तैयार कर रहा है। रूस और यूक्रेन के बीच जंग अब अंतरिक्ष तक पहुंच गई है। रूस की अंतरिक्ष एजंसी के प्रमुख ने अमेरिका को धमकी दी है कि मास्को पर लगाए गए प्रतिबंध अंतरिक्ष स्टेशन (आइएसएस) पर दोनों देशों के बीच सहयोग को खत्म कर सकते हैं। रूस ने यह भी कहा कि आइएसएस को गिराने के विकल्प भी हैं, जिसका खमियाजा भारत और चीन को भी भुगतना पड़ सकता है। अब खबर है कि अमेरिकी अंतरिक्ष एजंसी- नासा भी इस अंतरिक्ष स्टेशन में रूस के सहयोग को खत्म करने की तैयारी में लग गई है। अमेरिका अब जापान की मदद से इसे चलाने की बात कर रहा है। रूस और अमेरिका के बीच अंतरिक्ष में करीब तीन दशकों का घनिष्ठ सहयोग रहा है। लेकिन यूक्रेन पर हमले से नाराज अमेरिका सहित पूरे यूरोप ने रूस पर ढेरों प्रतिबंध थोप दिए हैं। इन प्रतिबंधों की जद में रूस का अंतरिक्ष अभियान भी आ गया है। इससे यह आशंका जताई जा रही है कि रूस-यूक्रेन युद्ध का असर अंतरिक्ष में भी देखने को मिल सकता है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और रूसी अंतरिक्ष एजंसी रोस्कोस्मोस के प्रमुख दिमित्री रोगोजिन ने अमेरिकी प्रतिबंधों के खिलाफ कड़ी नाराजगी भी जताई है। रोगोजिन ने तो यहां तक धमकी दे डाली कि इन प्रतिबंधों के कारण अंतरिक्ष स्टेशन भारत या चीन के ऊपर कभी भी गिर सकता है। क्या अमेरिका यही चाहता है? रूस ने पश्चिमी देशों के लिए उपग्रहों को प्रक्षेपित करने से इनकार करने की धमकी भी दे दी। रूस के इंजन ही अंतरिक्ष स्टेशन की गतिविधियों पर नियंत्रण रखते हैं। यूक्रेन पर हमले को लेकर रूसी सेना की हर गतिविधि पर अमेरिका अंतरिक्ष से नजर रख रहा है। कुछ दिन पहले यूक्रेन में चौंसठ किलोमीटर लंबे रूसी सैन्य काफिले की एक तस्वीर वायरल हुई थी। इसमें रूसी सेना का काफिला यूक्रेन की तरफ बढ़ता हुआ नजर आया था। रूस को लगता है कि अमेरिका से मिल रही इन उपग्रह तस्वीरों की मदद से यूक्रेनी सेना आसानी से उसकी सेना को निशाना बना रही है। इससे यूक्रेनी सेना को आसानी से पता चल रहा है कि किस इलाके में रूसी सेना की कितनी तादाद मौजूद है। उपग्रह से तस्वीरें लेने की सुविधा दुनिया के बहुत कम देशों की सेनाओं के पास है। हालांकि, अब कई कंपनियां भी इस धंधे में आ गई हैं। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि इनकी साझा ताकत रूस से काफी ज्यादा हो सकती है। ऐसी जानकारी देने का एक लाभ यह भी है कि पश्चिमी देश यूक्रेन में सीधे अपने सैनिक न भेज कर इन तस्वीरों के जरिए सटीक जानकारी दे रहे हैं और इन तस्वीरों के आधार पर ही रूसी सेना के खिलाफ यूक्रेन तेजी से जवाबी कार्रवाई कर रहा है।

हाल में स्पेसएक्स के मालिक एलन मस्क ने भी यूक्रेन को मदद करने का एलान किया था। स्पेसएक्स अमेरिका ही नहीं, बल्कि दुनिया की सबसे बड़ी निजी अंतरिक्ष कंपनी है। स्पेसएक्स यूक्रेन को न सिर्फ उपग्रहों से मिली तस्वीरें दे सकती है, बल्कि संचार में भी मदद कर सकता है। ऐसी भी रिपोर्ट आई हैं कि एलन मस्क ने यूक्रेन को अपनी उच्च गति वाली इंटरनेट सेवा स्टारलिंक सिस्टम की सुविधा देने की पेशकश भी की थी। ऐसे में अगर रूस यूक्रेन में इंटरनेट सेवा और संचार बंद भी कर देता है, तब भी स्टारलिंक से उसे ये सेवाएं मिलती रहेंगी। रूसी अंतरिक्ष एजंसी के प्रमुख रोगोजिन ने कहा था कि अगर हमारे साथ सहयोग को बाधित किया गया, तो अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन को बेकाबू होकर कक्षा से बाहर जाने और अमेरिका या यूरोप में गिरने से कौन बचा पाएगा? उन्होंने यह आशंका भी जताई कि पांच सौ टन का यह ढांचा भारत या चीन पर भी गिर सकता है।

इस्लामोफोबिया का प्रतिरोध : भारतीय परिदृश्य

हिन्दुत्ववादी संगठनों ने यह आह्वान किया है कि हिन्दू मंदिरों के आसपास और हिन्दू धार्मिक मेलों में मुस्लिम व्यापारियों को अपनी दुकानें आदि लगाने नहीं दी जानी चाहिए। यह अच्छी बात है कि भाजपा के ही दो नेताओं ने इसका विरोध किया है और बायोटेक्नोलॉजी कंपनी बायोकान की संस्थापक किरण मजूमदार-शॉ ने ट्विटर पर कर्नाटक सरकार की साम्प्रदायिक बहिष्करण की नीति की आलोचना की है। हाल में संयुक्त राष्ट्र संघ की सामान्य सभा ने एक प्रस्ताव पारित कर यह घोषणा की कि 15 मार्च पूरी दुनिया में काम्बेट इस्लामोफोबिया% (इस्लाम को एक डरावने धर्म के रूप में प्रस्तुत करने का प्रतिरोध) दिवस के रूप में मनाया जाएगा। यद्यपि इस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया गया परंतु भारत ने कहा कि उसकी मान्यता है कि किसी एक धर्म के प्रति भय के भाव को अंतरराष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाए जाने की आवश्यकता नहीं है। इस्लामोफोबिया शब्द के व्यापक प्रयोग की शुरुआत 9/11, 2001 के हमले से हुई। इस आतंकी हमले के बाद अमरीकी मीडिया ने %इस्लामिक आतंकवाद% शब्द गढ़ा। अन्य देशों के मीडिया के एक बड़े हिस्से ने इस शब्द का प्रयोग करना शुरू कर दिया और शनैः-शनैः पूरी दुनिया में इस्लाम और मुसलमानों के खिलाफ नफरत का वातावरण बनने लगा। भारत में इस्लामोफोबिया का असर अन्य देशों की तुलना में कहीं ज्यादा है। भारत में साम्प्रदायिक राजनीति के कारण इस्लामोफोबिया बहुत तेजी से बढ़ा। मुसलमानों और इस्लाम के प्रति नफरत के भाव की जड़ें अंग्रेजों की %फूट डालो और राज करो% की नीति में हैं। अंग्रेजों ने साम्प्रदायिक परिप्रेक्ष्य से इतिहास का पुनर्लेखन किया। इसमें राजाओं को सम्पत्ति और साम्राज्य की चाहत रखने वाले योद्धाओं की बजाय अपने-अपने धर्मों के ध्वजवाहकों के रूप में प्रस्तुत किया गया। मुस्लिम सम्प्रदायवादियों ने %हिन्दुओं से नफरत करो% अभियान शुरू किया तो हिन्दू महासभा और आरएसएस ने मुसलमानों को खलनायक के रूप में दिखाना प्रारंभ कर दिया। कुल मिलाकर, वैश्विक स्तर पर इस्लामोफोबिया के उभार के काफी पहले से यह भारत में मौजूद था। बाबरी मस्जिद को ढहाया गया। उसके बाद गुजरात में मुसलमानों का कत्लेआम हुआ, जिसके नतीजे में उनके अपने अलग मोहल्लों में सिमटने की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिला। शाहबानो मामले में उच्चतम न्यायालय के निर्णय को पलटने से मुसलमानों में धार्मिक सुधार की प्रक्रिया को बड़ा झटका लगा। बहुसंख्यकों की हिंसा के चलते मुसलमानों के एक घेरे में सिमटते जाने से उनका मौलानाओं के चंगुल से निकलना और कठिन हो गया। मुस्लिम समुदाय के अतिवादी तत्वों को बहुसंख्यकवादी संगठन और पार्टियां लगातार असलहा उपलब्ध करवा रही हैं। भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्ताव पर अपनी आपत्ति दर्ज कराई। यह आपत्ति भारत में मुस्लिम अल्पसंख्यकों की स्थिति से कतई मेल नहीं खाती। यह भी सही है कि मुस्लिम समुदाय में कुछ अतिवादी तत्व हैं जो इस्लाम के नाम पर बहुसंख्यकवादी राजनीति की आग में घी डालते रहते हैं। कर्नाटक में हिजाब के मुद्दे पर जबरदस्त विवाद हुआ। लगभग सभी मानवाधिकार संगठनों ने महिलाओं के हिजाब पहनने या न पहनने के अधिकार की वकालत की। परंतु क्या किसी ने यह सोचा कि इतने बरसों बाद यह मुद्दा अचानक क्यों उभरा? भारत में मुस्लिम महिला विद्यार्थी कई दशकों से हिजाब पहनती आ रही हैं। परंतु अब तक होता यह था कि वे अपने स्कूल या कालेज पहुंचने के बाद हिजाब उतार देती थीं और फिर अपनी क्लास में जाती थीं। कर्नाटक में विवाद इसलिए शुरू हुआ क्योंकि कुछ लड़कियों ने क्लास के अंदर भी हिजाब पहनने की जिद पकड़ ली। जाहिर है कि इससे हिन्दू साम्प्रदायिक तत्वों को बहाना मिल गया और उनके बहकावे में आकर हिन्दू विद्यार्थी भगवा शाल ओढ़कर शैक्षणिक संस्थाओं में आने लगे। इसके बाद मामला अदालत में चला गया। साम्प्रदायिकता का रथ अनवरत चलायमान है। पूरे देश में और विशेषकर कर्नाटक में नफरत भरे भाषण दिए जा रहे हैं, मुस्लिम व्यापारियों के बहिष्कार की अपीलें हो रही हैं, सार्वजनिक स्थानों पर नमाज अता करने का विरोध हो रहा है और मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने की मांग की जा रही है। नफरत फैलाने वाली बातें कहना बहुत सामान्य हो गया है। एक अदालत ने तो यहां तक कहा है कि अगर ऐसी बात %मुस्कुराते हुए% कहीं जाएं तो वह अपराध की श्रेणी में नहीं आतीं! सत्ताधारी दल मुसलमानों के खिलाफ नफरत को बढ़ावा देना चाहता है। यही कारण है कि %गोली मारो% का नारा देने वाले अनुराग ठाकुर को पदोन्नत कर केबिनेट मंत्री बनाया गया। डासना देवी मंदिर के मुख्य पुजारी यति नरसिंहानंद की जुबान से जहर की अविरल धारा बह रही है। हरिद्वार में धर्मसंसद ने मुसलमानों के नरसंहार का आह्वान किया और प्रधानमंत्री चुप्पी साधे रहे। हाल में दिल्ली में आयोजित एक महापंचायत में मुस्लिम-विरोधी नारे लगाए गए और यति ने कहा कि हिन्दुओं को हथियार उठाने चाहिए और यह भी कि अगर कोई मुसलमान प्रधानमंत्री बन गया तो इससे धर्मपरिवर्तन का खतरा बढ़ेगा। इसी महापंचायत में सुदर्शन टीवी के मुखिया सुरेश चव्हाण ने भी अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ जहर उगला। हिन्दुत्ववादी संगठनों ने यह आह्वान किया है कि हिन्दू मंदिरों के आसपास और हिन्दू धार्मिक मेलों में मुस्लिम व्यापारियों को अपनी दुकानें आदि लगाने नहीं दी जानी चाहिए।

देश और जेएनयू का हाल एक जैसा

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय यानी जेएनयू एक बार फिर गलत कारणों से सुर्खियों में आ गया। रविवार को रामनवमी के मौके पर यहां वामपंथी छात्र संगठनों और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के छात्रों के बीच हिंसक झड़प हो गई, जिसमें कई छात्र घायल हुए हैं। दोनों गुट एक-दूसरे पर लड़ाई शुरु करने का आरोप लगा रहे हैं। एबीवीपी के छात्रों का कहना है कि रामनवमी पर वे पूजा कर रहे थे, लेकिन वामपंथी छात्रों ने उन्हें रोका, हालांकि पूजा शांति से संपन्न हो गई। वहीं वामपंथी छात्रों का कहना है कि एबीवीपी के छात्र कावेरी हॉस्टल की मेस में मांसाहारी भोजन का विरोध कर रहे थे। रविवार को अक्सर कई विद्यार्थी यहां मांसाहारी भोजन करते हैं और हॉस्टल के मेन्यू में दोनों तरह के भोजन की व्यवस्था है। मगर छात्रों को फिर भी उनकी पसंद का भोजन करने से रोका गया, जिस पर विवाद शुरु हुआ और हिंसक परिणाम देखने मिला।

इस विवाद के बाद एक बार फिर मामला पुलिस के हाथ में है। विश्वविद्यालय प्रशासन निष्पक्ष जांच की बात कर रहा है। कुछ छात्रों के नाम एफआईआर दर्ज हुई है, पुलिस रिकार्ड में नाम आ गया है। अब उनके भविष्य का क्या होगा, कुछ कहा नहीं जा सकता। क्योंकि फिलहाल देश का भविष्य क्या है, यही समझ नहीं आ रहा। जेएनयू में रामनवमी को जो कुछ हुआ, वह दरअसल देश के अलग-अलग हिस्सों में चल रही घटनाओं की झलक ही थी। इस बार संयोग से नवरात्रि और रमजान साथ-साथ ही पड़े। ऐसे संयोग भारत में कोई अजूबा नहीं हैं, क्योंकि जहां सभी धर्मों के लोग सदियों से एक साथ रहते आ रहे हों, वहां कभी न कभी दो अलग-अलग धर्मों के त्योहार साथ में आएंगे ही। पर पहले ऐसे संयोग होने पर त्योहार की खुशियां दोगुनी हो जाया करती थीं। अब नए भारत में खटका लगा रहता है, क्या पता कब, कौन सा टकराव हो जाए। ज्यादा खतरनाक बात ये है कि ये टकराव प्रायोजित होते हैं, जिनका उद्देश्य कमजोरों को डराना और उन्हें दोयम दर्जे के होने का अहसास कराना है।

पहले भी रामनवमी होती थी, उसके पहले नौ दिन धूमधाम से देवी के अलग-अलग रूपों की पूजा और उसके साथ अलग-अलग तरह की परंपराएं निभाई जाती थीं। कहीं जवारे बोए जाते थे, कहीं रामचरित मानस का सामूहिक पाठ होता था। धार्मिक जुलूस पहले भी निकलते थे। लेकिन तब लोगों को आतंकित नहीं किया जाता था। पर अब सब कुछ सोची-समझी चाल से किया जा रहा है। इस बार देश में कई जगह मस्जिदों के सामने से जुलूस निकाले गए, मुस्लिम बहुल इलाकों में देवी मां की झांकी निकालते हुए उसमें अश्लील गीत और दूसरे धर्मों को अपमानित करने वाले गीत बजाए गए, भड़काने वाले नारे लगाए गए, और इनका नतीजा वही हुआ, जिस उद्देश्य से यह सब किया गया। यानी जगह-जगह सांप्रदायिक तनाव की खबरें आई हैं। गुजरात में हुए उपद्रव में कई लोग घायल हुए और एक व्यक्ति की मौत हो गई। मध्यप्रदेश के खरगोन में कम से कम चार घरों में आग लगाई गई, दो गुटों में हिंसक झड़प हुई और एक पुलिस अधिकारी भी घायल हुए। प.बंगाल में रामनवमी का जुलूस निकाल रही भीड़ पुलिस से ही उलझ पड़ी और लाठीचार्ज की नौबत आ गई। झारखंड में भी इसी तरह का तनाव कायम हुआ और बात दो गुटों के बीच पत्थरबाजी तक पहुंच गई।

इस विवाद के बाद एक बार फिर मामला पुलिस के हाथ में है। विश्वविद्यालय प्रशासन निष्पक्ष जांच की बात कर रहा है। कुछ छात्रों के नाम एफआईआर दर्ज हुई है, पुलिस रिकार्ड में नाम आ गया है। अब उनके भविष्य का क्या होगा, कुछ कहा नहीं जा सकता। क्योंकि फिलहाल देश का भविष्य क्या है, यही समझ नहीं आ रहा।

छोटी-बड़ी इन तमाम घटनाओं से नाजुक डोर से बंधा देश का सामाजिक ताना-बाना कुछ और कमजोर पड़ गया, कुछ गांठें इसमें और बढ़ गईं। अब पुलिस और जांच एजेंसियां हिसाब लगाते रहें कि पहला पत्थर कहां से चला, पहला नारा किसने लगाया, लेकिन इस हिसाब का हासिल कुछ नहीं होगा। क्योंकि दिलों में भर दी गई नफरत किसी कानूनी कार्रवाई से दूर नहीं होगी, केवल सौहार्द्रपूर्ण माहौल से चीजें सुधर सकती हैं और अभी उसकी कोई कोशिश सरकार की ओर से नहीं हो रही है। राष्ट्रपति हों या प्रधानमंत्री, इनका काम केवल त्योहारों पर बधाई के संदेश देना नहीं होता, बल्कि इन त्योहारों का मर्म जनता तक कैसे पहुंचे, इस पर भी इन्हें ध्यान देना चाहिए। मौजूदा सरकार ने इस मामले में भी निराश ही किया है। त्योहारों की आड़ में बढ़ रहे फसाद केवल देश को कमजोर करेंगे, बल्कि किसी हद तक गृहयुद्ध की ओर ले जाएंगे। अफसोस की बात ये है कि देश का मीडिया भी इन नफरत पगी घटनाओं में टीआरपी के हिसाब से शीर्षक लगा कर इन्हें परोस रहा है। इसके भावी परिणाम क्या हो सकते हैं, यह हमारे बच्चों के लिए कितने घातक होंगे, इस बारे में विचार करने वाले लोग गिने-चुने बचे हैं, और उनकी बातों पर भी कोई ध्यान नहीं दे रहा है। सबसे खतरनाक बात ये है कि अब अपनी नफरत की मशाल रिले रेस की तरह विद्यार्थियों को थमाई जा रही है। ताकि धर्मांधता में उनकी सोचने-समझने की क्षमता खत्म हो जाए और वे केवल घृणा और क्रोध के हरकारे बन कर रह जाएं। जेएनयू में रविवार को जो कुछ हुआ, वह इसी का एक उदाहरण है। देश का यह प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय हमेशा से बौद्धिक बहसों और विमर्शों का एक अड्डा रहा है। कांग्रेस के शासनकाल में 1966 में जेएनयू अधिनियम 1966 संसद में पारित हुआ और 1969 में जेएनयू अस्तित्व में आया। यह बात गौर करने लायक है कि केवल जेएनयू में प्रवेश का ऐसा नियम बना जिसमें पिछड़े ज़िलों से आने वालों को इसके लिए अतिरिक्त नंबर दिए जाते थे। इसका मकसद साफ था कि देश के पिछड़े इलाकों के विद्यार्थियों को पढ़-लिख कर आगे बढ़ने का मौका मिले। देश इसी तरह पढ़ाई-लिखाई की सोच को तवज्जो देने से ही आगे बढ़ता है। 70 सालों में देश ऐसे ही आगे बढ़ा। कांग्रेस शासनकाल में कांग्रेस नेता के नाम पर बने इस विश्वविद्यालय में कभी भी कांग्रेस का वर्चस्व नहीं रहा, बल्कि यहां वामपंथ का दबदबा अधिक रहा। शायद इसलिए कि यहां पिछड़े और गरीब इलाकों से आए विद्यार्थियों ने जीवन संघर्ष और पूंजीवाद के नुकसान को करीब से देखा और वामपंथ में उन्हें सर्वहारा की जीत की संभावनाएं नजर आईं। यहां दक्षिणपंथी सोच के विद्यार्थी भी रहे और 2001 में एबीवीपी के संदीप महापात्रा ने एक वोट से चुनाव भी जीता था। मगर वैचारिक भिन्नता नफरत का कारण इस तरह कभी नहीं बनी। जेएनयू में वाद-विवाद और संवाद सब चलते रहे, सरकारों का विरोध भी होता रहा। इसी जेएनयू में इंदिरा गांधी को उनकी गलतियां छात्रों की ओर से सीताराम येचुरी ने सुनाईं और उन्होंने सुनीं। लेकिन किसी छात्र पर न देशद्रोह का ठप्पा लगा, न किसी को गायब किया गया, न जेल में डाला गया। मगर अब वैचारिक भिन्नता के साथ सहअस्तित्व की गुंजाइश खत्म होती जा रही है, जेएनयू में भी और देश में भी।

रोजगार की बदहाली और विधायकों सांसदों की पेंशन

जब भी सरकारी विभागों में नौकरी के लिए विज्ञापन आते हैं, तब आवश्यक योग्यता से अधिक पढ़े-लिखे युवक आवेदन करने में पीछे नहीं हटते। क्लर्क की नौकरी की लिए पीएचडी लोग आवेदन करते हैं और चतुर्थ वर्ग कर्मचारी के लिए पोस्ट ग्रेजुएट लोग भी अर्जी देने में संकोच नहीं करते। सरकार का कहना है कि बेरोजगार लोगों को रोजगार नहीं सरकारी नौकरी चाहिए, ताकि वे सरकारी नौकरी का पूरा लाभ ले सकें। भारत के एक प्रमुख आर्थिक अखबार %इकॉनामिक टाइम्स% ने खबर दी है कि दिसम्बर 2021 तक भारत में 5 करोड़ 30 लाख लोग बेरोजगार हैं। इनमें से साढ़े तीन करोड़ ऐसे लोग हैं, जो बड़ी बेताबी से नौकरी की तलाश कर रहे हैं। इनमें भी 80 लाख युवतियां हैं, जो कोई भी नौकरी करने के लिए तैयार हैं। करीब दो करोड़ लोग ऐसे हैं जो रोजगार के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं। विश्व बैंक ने कोरोना काल में वैश्विक रोजगार दर 55 प्रतिशत आंकी थी, जबकि भारत में रोजगार का प्रतिशत 43 ही था। अगर भारत को ग्लोबल स्टैण्डर्ड तक पहुंचना है तो उसे कम से कम 18 करोड़ 75 लाख लोगों को रोजगार देना होगा।

जब भी सरकारी विभागों में नौकरी के लिए विज्ञापन आते हैं, तब आवश्यक योग्यता से अधिक पढ़े-लिखे युवक आवेदन करने में पीछे नहीं हटते। क्लर्क की नौकरी की लिए पीएचडी लोग आवेदन करते हैं और चतुर्थ वर्ग कर्मचारी के लिए पोस्ट ग्रेजुएट लोग भी अर्जी देने में संकोच नहीं करते। सरकार का कहना है कि बेरोजगार लोगों को रोजगार नहीं सरकारी नौकरी चाहिए, ताकि वे सरकारी नौकरी का पूरा लाभ ले सकें। भारत सरकार का कहना है कि शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी की दर घट गई है। जनवरी में बेरोजगारी दर 8.16 प्रतिशत थी और ग्रामीण क्षेत्रों में 5.84 प्रतिशत। भारत में ग्रामीण इलाकों में काम करने वाले मजदूरों को खोजना कठिन है। %सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनामी% का कहना है कि यह बेरोजगारी की दर सबसे कम है। रोजगार के नए-नए अवसर खुल रहे हैं। सबसे ज्यादा बेरोजगारी हरियाणा में 23.4 प्रतिशत है। उसके बाद राजस्थान का नंबर आता है, जहां 18.9 प्रतिशत युवा बेरोजगार हैं। जिन राज्यों में रोजगार की सबसे अच्छी स्थिति है, उनमें तेलंगाना सबसे आगे है। तेलंगाना में केवल 0.7 प्रतिशत ही बेरोजगारी है। गुजरात में 1.2 प्रतिशत, मेघालय में 1.5 प्रतिशत और ओडिशा में 1.8 प्रतिशत लोग बेरोजगार हैं। बेरोजगार लोग सरकारी नौकरी की आस लगाए बैठे हैं। सरकारी नौकरियों में जो फायदे होते हैं, वे निजी क्षेत्र की नौकरियों में नहीं। सरकारी नौकरी स्थायित्व और आरामदायक जिंदगी की गारंटी है। ऐसी ही गारंटी नेताओं को प्राप्त है। मध्यप्रदेश के विभिन्न राज्यों में जो कानून हैं, उनके मुताबिक विधायक एक ऐसी %सरकारी नौकरी% है, जिसमें रिटायर होने के बाद भी जबरदस्त सुविधाएं मिलती हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने विधायकों की पेंशन को लेकर एक नया निर्णय लिया हैं जिसका कई क्षेत्रों में विरोध किया जा रहा है।

भारत में केवल 5 राज्य ऐसे हैं, जहां विधायकों को 15 हजार रुपये या उससे कम पेंशन मिलती हैं। विधायकों के बारे में यह तय है कि अगर कोई एक दिन भी विधायक रह ले, तो उसे पेंशन मिलने की गारंटी है। पंजाब का हाल यह रहा कि वहां कुछ विधायक तो पेंशन के रूप में 5 लाख 20 हजार रुपये तक हर महीने पा रहे थे। भगवंत मान ने पड़ताल की तो पाया कि जो विधायक मंत्री बन गए थे, उनकी पेंशन मंत्री के हिसाब से मिलती है। अगर किसी विधायक ने एक से ज्यादा कार्यकाल तक विधायकी की, तो हर कार्यकाल के लिए उसके पेंशन में 10 हजार रुपये जुड़ते जाते हैं। यानी कोई विधायक अगर मंत्री रहा हो तो उसकी पेंशन तो उसे मिलेगी ही, साथ ही हर महीने मिलने वाली पेंशन में उसका हर कार्यकाल जुड़ता जाएगा। अगर कोई 8 बार विधायक रहा हो, तो उसकी पेंशन विधायक के नाम पर ही 80 हजार रुपये से अधिक हो गई।

विधायकों और सांसदों को वेतन चार तरीके से मिलता है। 1. तनख्वाह, 2. निर्वाचन क्षेत्र के लिए मिलने वाला भत्ता, 3. निजी कार्यालय के खर्च और 4. सचिव या सहायक के लिए वेतन। महंगाई के हिसाब से ये चारों बढ़ते रहते हैं। 3 साल पहले शिमला के सांसद वीरेन्द्र कश्यप ने 3 महीने में 20 लाख रुपये का टीए बिल बनाया था। सांसदों और विधायकों को मिलने वाली सुविधाओं में ट्रेवल कूपन, सस्ते आवास, निर्वाचन क्षेत्र में नाम मात्र की दर पर कार्यालय आदि की सुविधा तो मिलती ही है, हर साल इंक्रीमेंट भी मिलता है। रिटायर होने के बाद भी यह सब सिस्टम का हिस्सा होने के कारण चलता रहता है। सांसद और विधायक अपने वेतन के अलावा और कोई कितनी कमाई करते हैं, इसका तो कोई हिसाब नहीं है। अनेक नेताओं के अपने स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय हैं। अधिकांश के पास खेती की जमीनें हैं। अधिकांश को प्रॉपर्टी से नियमित रूप से आय होती है। आय का कोई पैमाना नहीं होने के कारण राज्य सभा के पूर्व सांसद अनिल अम्बानी और कम्युनिस्ट सांसद रहे समन पाठक को एक समान पेंशन मिलती हैं। अनिल अम्बानी को उतनी ही पेंशन तब भी मिलती थी, जितनी वे 50 हजार करोड़ की संपत्ति के मालिक थे। अब उनकी इतनी संपत्ति नहीं बची, लेकिन पेंशन के रूप में मिलने वाली राशि उनके लिए तय है।

हिंदी की जगह

यह जगजाहिर तथ्य है कि भारत विविधताओं से भरा अलग-अलग संस्कृतियों और भाषाओं का देश है। अब तक देश की सबसे बड़ी ताकत यही रही है कि किसी भी क्षेत्र की संस्कृति या भाषा को अन्य पर जबरन थोपने की कोशिश नहीं हुई। एक व्यापक एकता का भाव सबको एक सूत्र में जोड़ता है। लेकिन अगर इतने बड़े दायरे में फैले भारत के लिए किसी एक भाषा की बात कही जाती है तो यह ध्यान रखने की जरूरत होनी चाहिए कि इससे भिन्न भाषाओं के लोगों और संस्कृतियों पर क्या असर पड़ेगा और उनकी ओर से कैसी प्रतिक्रिया आएगी। हालांकि यह कई बार संदर्भों की व्याख्या पर भी निर्भर करता है। दरअसल, हाल में गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि वक्त आ गया है, जब राजभाषा हिंदी को देश की एकता का महत्त्वपूर्ण हिस्सा बनाया जाए। उन्होंने यह भी कहा था कि हिंदी की स्वीकार्यता स्थानीय भाषाओं के नहीं, बल्कि अंग्रेजी के विकल्प के रूप में होनी चाहिए। सही है कि देश को एक सूत्र में पिरोने और हिंदी के विस्तार की इच्छा के पीछे अन्य भाषा-भाषियों पर इसे थोपने की मंशा नहीं होगी, लेकिन यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि इस संवेदनशील मसले पर अंगुली रखने पर कैसी प्रतिक्रिया आ सकती है। यह बेवजह नहीं है कि हिंदी को लेकर इस राय के सामने आने के बाद गैर हिंदी भाषी क्षेत्रों की ओर से तीखी आपत्ति दर्ज की जा रही है। रविवार को तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक ने केंद्र सरकार को हिंदी थोपने को लेकर आगाह किया और कहा कि राज्य के लोग भाषा के मसले पर पार्टी के दिवंगत नेता एम करुणानिधि के आंदोलन को भूले नहीं हैं और वे ऐसा नहीं होने देंगे। वहीं, पूर्वोत्तर राज्यों में दसवीं कक्षा तक हिंदी को अनिवार्य विषय बनाने के मसले पर तीखा विरोध हो रहा है। इसके अलावा, विपक्षी दलों के कई नेताओं ने इस तरह की कोशिश को भारत के बहुलतावाद पर हमला बताते हुए ऐसे कदम से बचने की सलाह दी। इन प्रतिक्रियाओं को देखते हुए कहा जा सकता है कि भाषा को लेकर केंद्र की ओर से समूचे देश के लिए एकरूपता पर आधारित कोई कदम नए उथल-पुथल की शुरुआत कर सकता है।

लगें जरा हटके पेजबॉय स्टाइल

पेजबॉय हेयर स्टाइल एक तरह का हेयरकट है, जो सीधे, मध्यम और लंबे बालों के लिए तैयार किया गया है। पेजबॉय हेयर स्टाइल में बाल को कान के नीचे से काटा जाता है, जहां इसे अंदर की तरफ कर्ल किया जाता है, रिवर्स पेजबॉय हेयर स्टाइल में बाल को बाहर की तरफ कर्ल किया जाता है। हेयर स्टाइल को अक्सर बैंग्स के साथ भी किया जाता है, हालांकि यह जरूरी नहीं है। एक अच्छी तरह से काटा गया पेजबॉय हेयर कट आसानी से संभाला जा सकता है। 1950 के दशक में यह एक नुकीला, स्टाइलिश लुक था, जो महिलाओं को आकर्षित करता था। किसी भी हेयर स्टाइल के साथ, पेजबॉय में कई सारे बदलाव संभव हो सकता है, कुछ इनमें से वास्तविक हेयर स्टाइल से अलग दिखते हैं। नरम लुक के लिए कुछ स्टाइलिस्ट पेजबॉय में बालों को हलके से कर्ल करते हैं, जिससे कि एक वेव्ड हेयर स्टाइल बन सके, जिन लोगों के स्वाभाविक रूप से लहराते बाल होते हैं, वो भी पेजबॉय कट को अपनाते हैं। अन्य स्टाइलिस्ट अधिक संरचनात्मक पेजबॉय कांटेदार परतों के साथ बनाये थे, बजाय क्लासिक सीधे, फ्लैट पेजबॉय के साथ जोड़ कर। पेजबॉय हेयर स्टाइल का लुक चेहरे पर बहुत अच्छी तरह से सेट होता है, खासकर अगर चेहरे पर थोड़ा सा मेकअप कर लिया जाए, तो ये और भी उभर कर आता है। पेजबॉय आमतौर पर महिलाओं पर देखा जाता है, हालांकि कई अभिनेताओं को फिल्मों में पेजबॉय लुक की वजह से काम मिला है। पेजबॉय हेयर स्टाइल इस सलाह की वजह से उपयोग किया गया, जिससे कि बाल कोमल और चमकदार बने। यदि आप पेजबॉय हेयर स्टाइल का विचार कर रहे हैं, तो आप एक छवि के लिए खोज पर विचार कर सकते हैं, जिससे कि आप को एक सटीक हेयर स्टाइल मिले। हालांकि पेजबॉय एक बहुत ही बुनियादी हेयर स्टाइल है, पर अगर आप उस पर बदलाव कर रहे हैं और आप की अपनाई जाने वाली शैली का स्पष्ट होना जरूरी है। कई हेयरड्रेसर के पास हेयर स्टाइल की किताबें होती हैं, जिसमें आप विशेष मॉडल की तरह अपने बालों को काटने का अनुरोध कर सकते हैं। बालों को कटवाते समय संचार महत्वपूर्ण है, इसके द्वारा ही आप समझा सकते हैं कि आप को किस तरह का पेजबॉय हेयर स्टाइल चाहिए।

पार्टी में जा रहे हैं तो ये चीजें करने से बचें

पार्टनर के साथ किसी पार्टी या गैदरिंग में जाना आपका मूड ही रिफ्रेश नहीं करता बल्कि इससे आपका बॉन्ड भी स्ट्रॉन्ग बनता है। साथ टाइम बिताना भी हमें पार्टनर के करीब लाता है।

आपको पार्टनर के साथ महीने में 2-3 बार जरूर किसी गैदरिंग या फिर शॉर्ट ट्रिप पर जाना चाहिए। आमतौर पर पार्टनर के साथ किसी गैदरिंग में जाना प्यार और रिश्ते के लिए पॉजिटिव ही होता है लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है कि कुछ चीजें अनजाने में हो जाती है, जिससे कि आपके बीच दूरियां आने लगती हैं,इसलिए आपको कुछ बातों का ख्याल रखना चाहिए-

पार्टनर से ज्यादा देर दूर न रहें

पार्टी या गैदरिंग में मिलना-जुलना आम बात है लेकिन कभी भी पार्टनर को छोड़कर ज्यादा देर तक दूर न रहें। खासतौर पर अगर आपका पार्टनर आपके जान-पहचान वालों की पार्टी में आया है, तो ऐसा बिल्कुल न करें। इससे उन्हें अकेलापन या बोर होने की फीलिंग आ सकती है।

अपने दोस्तों से न मिलवाना

कई लोग ऐसे होते हैं, जो अपने दोस्तों को अपने साथ आए लोगों से नहीं मिलवाते। ऐसा करके साथ खड़े किसी भी व्यक्ति को अजीब लग सकता है। खासकर आपके पार्टनर को आपका ऐसा बिहेव बहुत अजीब लग सकता है।

एक साथ खाना शेयर न करना

हर गैदरिंग में दोस्तों और फैमिली मेम्बर का साथ जरूरी है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप पार्टनर को अकेला छोड़कर किसी और के साथ डिनर या लंच करने लग जाएं। आपको अगर दोस्तों के साथ लंच करना ही है, तो अपने पार्टनर को भी जरूर इंवाइट करें।

पार्टनर को भला बुरा कहना

कभी-कभी ऐसा होता है कि पार्टनर की किसी की बात से आपका मूड खराब हो जाता है लेकिन कोशिश करें कि जो भी बात हो, घर आकर करें। गैदरिंग में पार्टनर को किसी के सामने भला-बुरा न कहें या उनकी बुराई न करें।

शॉपिंग डिटॉक्स से सिर्फ पैसों की ही बचत नहीं होती, बल्कि इससे अन्य भी कई लाभ मिलते हैं।

महिलाओं के सामने जब भी शॉपिंग का नाम लिया जाता है, तो उनके चेहरे पर एक गजब की मुस्कान छा जाती है। कई बार हम जरूरी चीजों को खरीदने के लिए शॉपिंग करते हैं। वहीं जब कभी मूड ऑफ होता है तो खुद को पैम्पर करने या फिर फील गुड के लिए भी महिलाएं शॉपिंग करना पसंद करती हैं। खासतौर से, टेक्नोलॉजी की दुनिया में फोन की स्क्रीन को स्क्रॉल करते हुए शॉपिंग करना और भी ज्यादा आसान हो गया है। हालांकि, इस तरह अक्सर हम उन चीजों को भी खरीद लेते हैं, जिनकी हमें वास्तव में कोई जरूरत नहीं होती। बस हमें वह आइटम देखने में अच्छी लगती है और हम यह सोचते हैं कि इसका इस्तेमाल हम किसी ना किसी रूप में अवश्य कर लेंगे। लेकिन अमूमन ऐसा होता नहीं है और काफी सारे पैसे यूं ही बर्बाद हो जाते हैं।
यकीनन आप भी अक्सर इंप्लसिव शॉपिंग करती होंगी या फिर मार्केट जाकर खुद को खरीदारी करने से रोक नहीं पाती होंगी। अगर शॉपिंग करना आपको खुशी देता है या फिर आप केवल खुद को फील गुड करवाने के लिए शॉपिंग करती हैं तो अब वक्त आ गया है कि आप शॉपिंग डिटॉक्स का रास्ता चुनें। इससे आपको कई फायदे मिलते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि क्या है शॉपिंग डिटॉक्स और आपके लिए किस तरह हो सकता है लाभदायक-

क्या है शॉपिंग डिटॉक्स

जिस तरह जब हमारी बॉडी में टॉक्सिन बढ़ जाते हैं तो हम बॉडी को डिटॉक्स करते हैं। ठीक उसी तरह, अगर शॉपिंग के कारण आपकी लाइफ टॉक्सिक होने लगी है तो शॉपिंग डिटॉक्स करना बेहद जरूरी है। शॉपिंग डिटॉक्स के दौरान आप एक तय समय के लिए खुद पर ही लगाम लगाते हैं और खुद को बेवजह की शॉपिंग करने से रोकते हैं। यह आपके लिए फाइनेंशियली व मेंटली तौर पर कुई मायनों में लाभदायक है।

पैसों की बचत

जब आप शॉपिंग डिटॉक्स का रास्ता चुनते है तो इसका सबसे पहला और सीधा लाभ यह होता है कि इसकी वजह से आपकी काफी सारी पैसों की बचत होती है। अगर आपको हर दूसरे-तीसरे दिन शॉपिंग करने की आदत है तो यकीनन आप अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा अनावश्यक चीजों को खरीदने में खर्च कर देती होंगी। लेकिन शॉपिंग डिटॉक्स के दौरान आप अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा बेहद आसानी से बचा पाती हैं।

क्या होता है शॉपिंग डिटॉक्स और आपके लिए यह क्यों है जरूरी

बेवजह तनाव से मुक्ति

कुछ महिलाओं को ऐसा लगता है कि शॉपिंग से उन्हें खुशी मिलती है। लेकिन वास्तव में, जब आप शॉपिंग करके बेवजह पैसे खर्च करते हैं तो महीने के अंत में आपको तनाव होता है, क्योंकि जरूरी खर्चों के लिए भी आपके पास पैसे नहीं बचते हैं। वहीं, अत्यधिक शॉपिंग से आपका बजट पूरा बिगड़ जाता है। लेकिन जब आप शॉपिंग डिटॉक्स करते हैं तो आपके काफी सारे पैसों की बचत होती है, जिससे बेवजह तनाव से मुक्ति मिलती है और अंततः आप अधिक हैप्पी महसूस करते हैं।

खुशियों के रास्ते

कुछ महिलाओं की आदत होती है कि वह खुद को लो फील करने पर शॉपिंग करती हैं। शॉपिंग करने से उन्हें फील गुड होता है और वह अधिक हैप्पी महसूस करती हैं। हो सकता है कि थोड़े पैसे खर्च करके खुशी प्राप्त करने में आपको शायद कोई बुराई नजर ना आती हो। लेकिन हैप्पीनेस के लिए शॉपिंग पर निर्भर रहना सही नहीं है। जब आप शॉपिंग डिटॉक्स करते हैं तो कुछ वक्त के लिए आपको एंग्जाइटी महसूस होती है। लेकिन लगातार ऐसा करने से आपकी निर्भरता शॉपिंग से कम होती है और आप खुद को खुश रखने के लिए कुछ अतिरिक्त रास्ते खोज लेती हैं।

सेल्फ कंट्रोल

कहते हैं कि किसी भी चीज की अति क्षति का कारण बनती है। ऐसा ही कुछ आपकी शॉपिंग की आदत के साथ भी होता है। अगर आपको शॉपिंग करना इतना अच्छा है कि आप चाहकर भी खुद को रोक नहीं पाती हैं, तो ऐसे में आपको शॉपिंग डिटॉक्स का रास्ता अपनाना चाहिए। इसका लाभ यह होता है कि इससे आपको सेल्फ कंट्रोल करने में मदद मिलती है। इस तरह, आप बाहरी चीजों के हाथ में नहीं होते हैं, बल्कि अपनी सुविधानुसार उन्हें हैंडल करना सीख जाते हैं।

रसोई में कभी न करें ये गलती

- दूध उबालते समय उसे धीमी आंच पर रख कर पकाएं। क्योंकि दूध उबलने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसके अलावा इससे पैसों की कमी की भी होती है और परिवार के लोग भी बीमार रहने लगते हैं।
- आज के इस स्टैंडिंग किचन के जमाने में महिलाएं स्लैब पर ही रोटी बेल लेती हैं लेकिन इसका गलत असर सेहत पर पड़ता है। इसलिए रोटी हमेशा लकड़ी के चकले पर ही बेल कर बनाएं। इससे धन लाभ के साथ-साथ बीमारियां भी दूर होंगी।
- रसोई घर को मां अन्नपूर्णा माना जाता है। इसलिए कोई भी काम करने के बाद किचन को साफ जरूर करें। इसके अलावा गैस को भी कभी गंदा न रखें। इससे घर में दलिद्रता फैलती है।
- रसोई की सजावट करने के लिए आप श्री कृष्णा का मक्खन खाते हुई कोई तस्वीर लगा सकते है। इससे किचन के साथ घर में भी सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।
- घर का मेन गेट और किचन को कभी भी आमने-सामने न बनाएं। इससे घर में पाचन संबंधी बीमारियां फैलती है। किचन को हमेशा मेन गेट से दूर बनाएं और उसे हमेशा ढक कर रखें।

हर महिला अपना ज्यादातर समय किचन में ही गुजारती है। महिलाएं अपने परिवार के लिए हेल्दी और स्वादिष्ट खाना बनाने में कोई कमी नहीं छोड़ती। टेस्टी खाना बनाने के साथ-साथ महिलाएं किचन की साफ सफाई का भी पूरा ध्यान रखती है लेकिन इसके बावजूद भी वो अनजाने में कुछ गलतियां कर देती है। आपके द्वारा की गई यह छोटी-मोटी गलतियां घर में नकारात्मक ऊर्जा और पैसों की कमी का कारण बन सकती है। इसके अलावा कुछ गलतियों के कारण आपके परिवार की हेल्थ पर भी असर पड़ता है। आज हम आपको ऐसी ही कुछ गलतियों के बारे में बताने जा रहें है जो महिलाओं को नहीं करनी चाहिए।

बालों में कलर कराने जा रहे हैं या अक्सर कराते हैं तो कुछ बातों का ख्याल जरूर रखें

हेयर कलर कराते वक्त किन बातों का ख्याल रखना जरूरी होता है, साथ ही फैशन कलर और ग्रे कवरेज कलर करा रहे हैं तो इसके बाद कैसे बालों की देखभाल करें, इन सबकी जानकारी होना आवश्यक है।

हेयर कलर कराना आजकल ट्रेंड में है। कई बार बालों की सफेदी छुपाने के लिए तो कभी लुक बदलने के लिए लोग हेयर कलर कराते रहते हैं। लेकिन किस तरह का कलर कराना चाहिए, बालों को अधिक नुकसान तो नहीं होगा जैसी जानकारी होनी भी जरूरी है, ताकि बाद में किसी तरह की समस्या न हो।

उम्र के अनुसार चुनाव

आजकल फैशन में भी बालों में रंग लगाया जाता है। लेकिन इन्हें भी उम्र के अनुसार चुनें। युवा हैं तो फैशन कलर, जैसे रेड, ब्राउन, गोल्डन करा सकते हैं। उम्र में बड़े हैं और बाल सफेद हैं तो ब्लैक, ब्राउन रंगों का चुनाव कर सकते हैं।

गुणवत्ता से न हो समझौता

युवा बदल-बदल के कलर कराते रहते हैं। ऐसे में अक्सर ये सोचते हैं कि मंहगा कलर क्यों कराना जब कुछ ही समय में दूसरा कलर कराएंगे। यही ग्रे कवरेज वाले सोचते हैं और सफेद बालों पर सस्ता रंग करा लेते हैं, जो कि बालों को नुकसान पहुंचाता है। इसलिए हमेशा अच्छी कंपनी का कलर ही कराएं। कोशिश करें कि हर्बल कलर हो, ताकि नुकसान की गुंजाइश कम से कम रहे।

इन आधार पर कराएं

बाल सुंदरता में बड़ी भूमिका अदा करते हैं। इसलिए कलर हमेशा चेहरे, बालों की लंबाई और प्रोफेशन के अनुसार ही कराएं। शालीनता भरी जगह कार्य करते हैं और फंकी कलर कराएंगे तो हो सकता है आपको खुद में अजीब लगे। इसलिए सभी बातों का ख्याल रखकर बाल कलर कराएं।

रंग का बचाव

कुछ लोगों को 1-2 दिन छोड़कर ही बाल धोने की आदत होती है। इस कारण बालों से रंग जल्दी निकल जाता है, खासतौर पर फैशन कलर। इसलिए बालों को कम धोएं, हफ्ते में एक या जरूरी होने पर दो बार धोएं। धूप में निकलने पर बालों को कवर जरूर करें अन्यथा रंग जल्दी निकल जाता है।

नैप टैस्ट कराएं

कभी भी पूरे बालों पर एक साथ कलर न कराएं, बल्कि थोड़े बालों पर कराकर देखें। इससे आप समझ पाएंगे कि आप पर रंग कैसा लग रहा है। पूरे बाल कलर कराने के बाद रंग पसंद न आने पर मुश्किल हो सकती है।

देखभाल की जानकारी

अगर फैशन कलर करा रहे हैं तो बालों की जड़ों से 1-2 इंच ऊपर से कराएं। इससे बालों को कम नुकसान होता है। अगर सफेद बालों पर कलर कर रहे हैं तो जड़ों से ही होगा। ऐसे में कलर किए बालों के लिए अलग से शैम्पू, कंडीशनर आदि आते हैं, उन्हीं का इस्तेमाल करें।

दिल्ली हिंसा : सुनवाई आज होगी

सुप्रीम कोर्ट के ऑर्डर के 2 घंटे बाद पूरी तरह रोकी गई अवैध निर्माण ढहाने की कार्रवाई

जहांगीरपुरी

जहांगीरपुरी में बुधवार को दिल्ली नगर निगम ने अवैध निर्माण गिराने की कार्रवाई शुरू की। एक घंटे के भीतर ही सुप्रीम कोर्ट ने इस ऑपरेशन पर रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट उस याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया है, जिसमें दंगे के आरोपियों के घर गिराने का विरोध किया गया है। अदालत ने कहा कि कल सुनवाई तक जहांगीरपुरी में यथास्थिति बरकरार रखी जाए।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद जहांगीरपुरी में MCD की कार्रवाई कुछ जगहों पर जारी थी। जब याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट को इस बात की जानकारी दी तो ष्टछ्वद्ध एनवी रमना ने तुरंत रजिस्ट्रार को आदेश दिया कि स्ष्टष्ठ, दिल्ली पुलिस और मेयर तक हमारा आदेश तुरंत पहुंचाया जाए। सुप्रीम कोर्ट के पहले ऑर्डर के करीब 2 घंटे बाद निगम की कार्रवाई पूरी तरह रोकी गई।

जब ऑपरेशन बुलडोजर को लेकर दिल्ली के स्पेशल पुलिस कमिश्नर दीपेंद्र पाठक से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर म्युनिसिपल कॉरपोरेशन फैसला लेगी। हम यहां पर MCD को सुरक्षा और मदद पहुंचाने के लिए मौजूद हैं।

जमात-ए-इस्लामी हिंद का आरोप-पुलिस की ढिलाई बनी उपद्रव की वजह:- जमात-ए-इस्लामी हिंद के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को जहांगीरपुरी हिंसा के बाद मुस्लिम समुदाय से मुलाकात की। JIH ने हिंसा के लिए दिल्ली पुलिस की ढ़िलाई को वजह बताया है। कहा कि यह एक पहले से रची गई साजिश थी। हिंसा से पहले 2 बार जुलूस निकाला जा चुका था। फिर भी इफ्तार और नमाज के ठीक समय तीसरा जुलूस निकाला गया। पुलिस की अनुमति के बिना ये जुलूस निकाले गए। जुलूस में शामिल लोग भड़काऊ नारे लगा रहे थे। कुछ लोग हथियारों का प्रदर्शन कर रहे थे। वहीं दिल्ली पुलिस लापता थी, अगर पुलिस बल मौके पर मौजूद होता तो हिंसा नहीं होती।

5 आरोपियों पर लगा रासुका

दिल्ली पुलिस ने जहांगीरपुरी हिंसा के दौरान एक आरोपी को पिस्टल देने वाले शख्स को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि इसकी पहचान गुल्ली के रूप में हुई है। इससे पहले हिंसा मामले में गिरफ्तार हुए 5 आरोपियों पर रासुका लगाया गया है। इनमें अंसार, सलीम, सोनू, दिलशाद, आहिर शामिल हैं। अब दंगे में प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के शामिल होने की भी जांच होगी।

एक ही परिवार के 5 लोग अरेस्ट किए गए:- दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को ही 5 लोगों को अरेस्ट किया है। ये सभी एक ही परिवार के हैं। इससे पहले गिरफ्तार किए गए आरोपी सोनू चिकना उर्फ इमाम उर्फ यूनुस ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। सोनू ने बताया कि हनुमान जयंती के दिन मैंने कुशल चौक के पास फायरिंग की थी। पुलिस ने सोनू के पास से एक पिस्टल भी बरामद की है।

फिर बढ़ने लगी कोरोना की रफ्तार:दिल्ली सरकार का बड़ा फैसला;

मास्क नहीं पहनने पर देना होगा 500 रु. जुर्माना, स्कूल खुले रहेंगे

नई दिल्ली

कोविड के नए वेरिएंट के खतरे को देखते हुए दिल्ली सरकार ने मास्क लगाना कंपलसरी कर दिया है। दिल्ली डिजास्टर मैनेजमेंट ऑथरिटी ने बुधवार को अपनी बैठक में यह फैसला लिया। उन्होंने कहा कि मास्क नहीं पहनने पर 500 रुपए का चालान काटा जाएगा। स्कूल और अन्य एजुकेशनल इंस्टीट्यूट बंद नहीं होंगे। DDMA के मुताबिक, कोविड-19 के नए वेरिएंट B. 1.10, B.1.12 के शुरुआती संकेत मिलने के बाद यह फैसला लिया गया है। दुनिया के साथ भारत में भी कोरोना के नए मामलों में

बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। हेल्थ डिपार्टमेंट के मुताबिक, मंगलवार को दिल्ली में 632 नए मामले सामने आए। हालांकि, पॉजिटिविटी रेट में कमी आई है। पॉजिटिविटी रेट 7.72 फीसदी से घटकर 4.42 फीसदी हो गई है। अच्छी बात ये रही कि बीते 24 घंटे में कोरोना से दिल्ली में कोई मौत नहीं हुई। नए केस आने के बाद दिल्ली में एक्टिव केस 1900 से ज्यादा हो गई।

पिछले 45 दिन में मुंबई में सबसे ज्यादा नए केस आए:- मुंबई में भी एक बार फिर कोरोना ने रफ्तार पकड़ ली है। 45 दिन के बाद यहां सबसे ज्यादा मामले दर्ज किए गए। बीते 24 घंटे में मुंबई में कोविड के 85 नए मामले आए। पूरे महाराष्ट्र की बात करें तो कुल 137 नए केस रिकॉर्ड किए गए। तीन की मौत हुई। नए मामले सामने आने के बाद राज्य में कुल एक्टिव केस 660 हो गई।

कहा है कि घबराने की जरूरत नहीं है. साथ ही उन्होंने कहा है कि अभी फिलहाल दिल्ली में मास्क नहीं लगाने वालों पर जुर्माना लगाने की सरकार की कोई योजना नहीं है। दिल्ली डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी ने उप-राज्यपाल की अध्यक्षता में आज बैठक बुलाई है। इसमें सीएम केजरीवाल AIIMS डायरेक्टर भी मौजूद रहेंगे। स्कूलों को बंद करने पर भी फैसला हो सकता है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र और मिजोरम को दोबारा लेटर लिखा।

शंघाई बंदरगाह पर फंसे हजारों जहाज

» चीन की आर्थिक राजधानी में लगे लॉकडाउन ने बढ़ाई चिंता, ग्लोबल सप्लाई चेन पर हो रहा असर

कोलंबो

चीन की आर्थिक राजधानी शंघाई में कोरोना ने एक बार फिर पैर पसार लिए हैं। ऐसे में पूरी दुनिया में संक्रमण का खतरा बढ़ गया है। जिसे देखते हुए शंघाई में पिछले एक महीने से लॉकडाउन लगा हुआ है। जहां सड़कों से ट्रैफिक नदारद है, वहीं दूसरी तरफ पूर्वी चीन सागर में ट्रैफिक जाम लगा हुआ है।

शंघाई पोर्ट पर हर तरफ खड़े दिख रहे जहाज

लॉकडाउन के चलते पूरे शंघाई में आर्थिक गतिविधियां पूरी तरह से बंद हो गई हैं। इसका सबसे बुरा असर शंघाई बंदरगाह पर देखने को मिल रहा है। यहां बड़ी संख्या में मालवाहक जहाज खड़े होने के कारण ट्रैफिक जाम लग गया है। बंदरगाह से कई किलोमीटर दूर समुद्र में भी जहाज खड़े नजर आ रहे हैं। माल उतारने और चढ़ाने की इजाजत न होने के कारण जहाज के क्रू भी समुद्र में फंसे हुए हैं। कई जहाजों पर तो खाने-पीने और दैनिक जरूरतों की चीजों की भी कमी होने लगी है।

तस्वीरों में दिख रहा ट्रैफिक

सोशल मीडिया पर शेयर की जा रही तस्वीरों में शंघाई बंदरगाह पर जहाजों की उपस्थिति को दिखाया जा रहा है। यह तस्वीर मरीन ट्रैफिक वेबसाइट ने ली है। यह वेबसाइट समुद्र में जहाजों की लाइव लोकेशन को ट्रैक करती है। लॉकडाउन के नियमों में ढील नहीं मिलने के चलते पूरा बंदरगाह मालवाहक जहाजों की बढ़ती संख्या से भर गया है। अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि इन जहाजों को बंदरगाह पर आने या बंदरगाह पर खड़े जहाजों को बाहर जाने की इजाजत कब दी जाएगी।

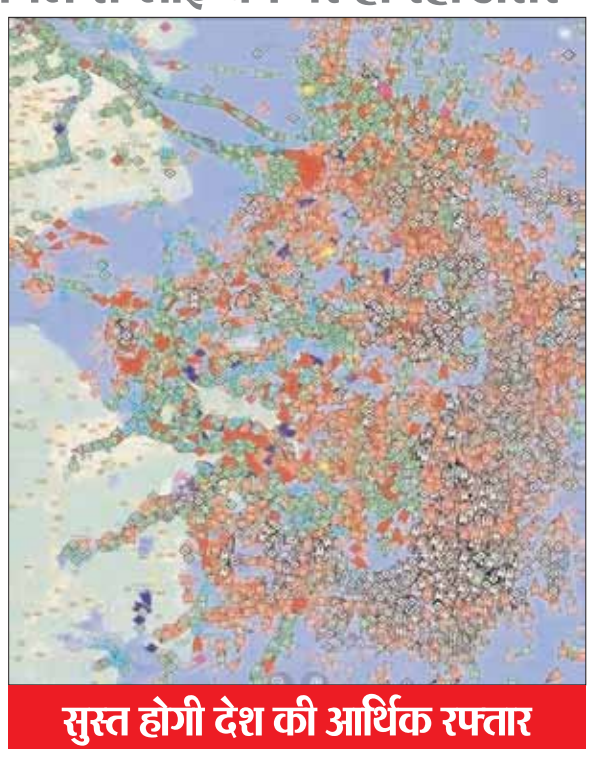

सुस्त होगी देश की आर्थिक रफ्तार

समुद्र में लगे इस ट्रैफिक जाम से ग्लोबल सप्लाई चेन पर भी असर पड़ रहा है। क्योंकि शंघाई का बंदरगाह दुनिया के सबसे व्यस्त बंदरगाहों में से एक है। वहीं, शंघाई चीन के साथ दुनिया के अन्य देशों के आर्थिक कारोबार के लिए भी काफी महत्व रखता है। चीन के इलेक्ट्रिक कार मार्कर एक्सपेंग ने कहा कि अगर शंघाई और आसपास के इलाकों में सप्लायर्स फिर से काम शुरू नहीं कर सकते हैं तो वाहन निर्माताओं को अगले महीने प्रोडक्शन रोकना पड़ेगा।

शंघाई में कोरोना से 7 और लोगों की मौत:- शंघाई में नई कोविड लहर के कारण सात और लोगों की मौत हो गई है। इस तरह दो दिन में कोरोना से मरने वालों की संख्या 10 हो गई है। चीन में संक्रमण से अब तक 4,648 लोगों की मौत हो चुकी है। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के मुताबिक, देश में बीते 24 घंटे में संक्रमण के 21,400 नए मामले सामने आए। इनमें अधिकतर मामले शंघाई में दर्ज हुए। 24 घंटे में स्थानीय स्तर पर संक्रमण के 3,297 नए मामले सामने में आए, जिसमें से 3,084 नए मरीज शंघाई में मिले।

लोगों से बेवजह बाहर नहीं निकलने की अपील:- कोरोना की बेकाबू रफ्तार को देखते हुए प्रशासन ने एहतियाती कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। लोगों से बेवजह घर बाहर नहीं निकलने और गैरजरूरी यात्राओं से बचने की अपील की जा रही है। कई कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम दे दिया है। बाहर निकलने वाले लोगों को ड्रोन और हेलीकॉप्टर पर लगे स्पीकर के जरिए चेतावनी भी दी जा रही है। वहीं, सरकार लॉकडाउन के जरिए कोरोना को बेहतर तरीके से काबू करना चाहती है।

न्यूज ब्रीफ

पुणे में भीषण अग्निकांड

खराड़ी इलाके में एक-एक करके जलीं 12 दुकानें, करोड़ों का हुआ नुकसान; दमकल विभाग पर देर से पहुंचने का आरोप

पुणे। पुणे के खराड़ी इलाके में बुधवार दोपहर 12 दुकानों में भीषण आग लग गई। आग सबसे पहले एक फर्नीचर की एक दुकान में लगी थी और इसने कुछ ही देर में एक-एक करके 11 अन्य दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। फिलहाल दमकल विभाग की 8 गाड़ियां आग बुझाने के काम में जुटी हुई हैं। फायर ब्रिगेड डिपार्टमेंट की ओर से बताया गया है कि आग लगने की यह घटना खराड़ी के पुराने जकात नाके के पास हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही दमकल विभाग की गाड़िया पहुंची और आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू की गई। फर्नीचर के अलावा, कुछ मोबाइल शॉप, किराना और दो फूड जॉइंट भी इसमें जलकर खाक हो गए हैं। इस अग्निकांड में करोड़ों का नुकसान हुआ है। फायर ब्रिगेड के मुताबिक, यह लेवल 3 की आग थी। इस अग्निकांड के बाद इलाके में भारी ट्रैफिक जाम लग गया है। पुणे की ओर आने वाली गाड़ियां सड़क पर फंसी हुई हैं। फायर ब्रिगेड के अलावा स्थानीय पुलिस भी भीड़ को कंट्रोल करने में जुटी हुई है। हालांकि, स्थानीय लोगों का कहना है कि जानकारी देने के काफी देर के बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची, इसलिए आग बड़ी हुई और उसने एक-एक करके 8 दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। इस आग के बाद इलाके में गहरा काला धुंआ फैल गया है और आसपास की सोसाइटी में रहने वालों को घटनास्थल से दूर रहने के लिए नगर निगम के अधिकारियों की ओर से कहा गया है।

मोदी ने किया डब्ल्यूएचओ चीफ का नामकरण:डॉ. टेड्रोस ने कहा -

मैं गुजराती हो गया हूं, पीएम बोले- तो आज से आपका नाम तुलसी भाई

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात के दौरे पर हैं। आज उन्होंने गुजरात की राजधानी गांधीनगर में वैश्विक आयुष निवेश और नवाचार शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया। यह सम्मेलन सुबह 11 बजे से शुरू हुआ। इस मौके पर पीएम मोदी ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख डॉ टेड्रोस गेब्रेयेसस का नाम तुलसी भाई रख दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब बोलने उठे तो उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा, 'डब्ल्यूएचओ के डायरेक्टर डॉ टेड्रोस मेरे बहुत अच्छे मित्र हैं। वह मुझे बता रहे थे कि उन्हें भारत के टीचर ने पढ़ाया है। आज डॉ. टेड्रोस कह रहे थे, मैं पक्का गुजराती हो गया हूं। मेरा कोई गुजराती नाम रख दो। इसके चलते मैं आज से अपने दोस्त का नाम 'तुलसी भाई' रखता हूं।' तुलसी नाम रखने के पीछे का कारण बताते हुए पीएम ने कहा - तुलसी एक ऐसा पौधा है, जो भारत की आध्यात्मिक विरासत में अहम जगह रखता है। इस मौके पर डॉ टेड्रोस के साथ मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ और भारत के आयुष मंत्री सर्वानंद सोनोवाल भी मौजूद रहे।

वैश्विक आयुष निवेश और नवाचार शिखर सम्मेलन में गुजराती में बोलते हुए डॉ टेड्रोस ने कहा, 'मैं महात्मा गांधी की भूमि पर आकर खुद को सौभाग्यशाली मान रहा हूं।' इससे पहले पीएम मोदी ने कल जामनगर में डब्ल्यूएचओ के वैश्विक परंपरागत औषधि केंद्र की आधारशिला रखी थी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा-यह पहली बार है जब आयुष क्षेत्र के लिए निवेश शिखर सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। मैंने इसके बारे में उस समय सोचा था जब कोविड का प्रकोप शुरू हुआ था।

रूस के खिलाफ कनाडा का एक्शन, पुतिन की बेटियों और रूसी विदेश मंत्री की पत्नी पर लगाया बैन

कीव

यूक्रेन युद्ध में रूस को घेरने के लिए पश्चिमी देश राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के खिलाफ पर्सनल एक्शन ले रहे हैं। इसी के मद्देनजर कनाडा ने पुतिन की दोनों बेटियों समेत 14 लोगों पर बैन लगाया है। ग्लोबल अफेयर्स कनाडा की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रूडो सरकार ने रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव की पत्नी और पुतिन की बेटियों समेत कुछ रूसी अरबपतियों पर भी प्रतिबंध का ऐलान किया है। दूसरी तरफ ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय का दावा है कि यूक्रेन में भारी हमलों के बाद भी रूसी सेना को कोई खास बढ़त हासिल नहीं है। रूसी सेना को एनवायरनमेंट, रसद और तकनीकी चुनौतियों की वजह से मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

खेरसॉन और मायकोलाइव में जनमत संग्रह की तैयारी में रूस:- यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय का कहना है कि रूस खेरसॉन और मायकोलाइव इलाके में अपने कब्जों को जायज ठहराने के लिए झूठा जनमत संग्रह करने की तैयारी कर रहा है। दूसरी तरफ संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने रूस अपील की है कि वो ईस्टर को देखते हुए 21 अप्रैल से 24 अप्रैल तक युद्ध रोक दे।

यूक्रेन को हथियार सप्लाई में जर्मनी को दिक्कत:- जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज का कहना है कि उनका देश यूक्रेन को हथियार देना जारी रखेगा, लेकिन अब उनकी हथियार भेजने की क्षमता लगभग खत्म हो गई है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सरकार इसे हथियार सप्लाई जारी रखने के लिए काम करती रहेगी। रूस ने मंगलवार को रातभर हमला कर साउथ-ईस्ट क्रीमिना और सेर्हिल हैदेई कस्बे पर कब्जा कर लिया है। रूस ने मारियुपोल शहर के बर्बाद होने का दावा किया है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा है कि हमारे सैन्य अभियान का नया चरण शुरू हो चुका है।

कांग्रेस में पीके का रोल तय : सोनिया दे सकती हैं रणनीति और गठबंधन का जिम्मा, 2 सीएम ने दिए एंट्री पर पॉजिटिव संकेत

नई दिल्ली

6 महीने तक चले बैठकों और मुलाकातों के दौर के बाद अब कांग्रेस में प्रशांत किशोर की एंट्री करीब-करीब तय मानी जा रही है। छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल बुधवार को दिल्ली पहुंचे हैं। वे कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात करेंगे और पीके के मसले पर बात करेंगे। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी कहा है कि प्रशांत किशोर जैसे स्ट्रैटजिस्ट का अनुभव कांग्रेस के लिए फायदेमंद होगा। सूत्रों के मुताबिक, पीके को पार्टी महासचिव का रोल दिया जा सकता है। वे स्ट्रैटजी और अलायंस पर काम करेंगे। अगर ऐसा होता है तो कांग्रेस में पहली बार इस तरह के पद बनाए जाएंगे। यानी 2024 लोकसभा चुनाव के लिए प्रशांत कांग्रेस की चुनावी रणनीति और दूसरी पार्टियों के साथ गठबंधन पर फैसला करेंगे। पिछले 22 से अधिक विधानसभा और 2 लोकसभा चुनाव हार चुकी कांग्रेस के लिए पीके कितने फायदेमंद होंगे?

पीके की कांग्रेस में क्या भूमिका होगी?

अक्टूबर 2021 में राहुल-प्रियंका से मुलाकात में प्रशांत किशोर ने पार्टी में अपनी भूमिका का जिक्र किया था। उस वक्त पार्टी के फैसले लेने वाली सबसे बड़ी बॉडी कांग्रेस वर्किंग कमेटी (ष्टङ्खष्ट) के सदस्यों के विरोध की वजह से पीके की एंट्री टल गई थी, लेकिन अब प्रशांत के कांग्रेस में शामिल होने और उनकी भूमिका को लेकर हाईकमान की मुहर लगभग लग चुकी है। प्रशांत विधानसभा और लोकसभा चुनाव में पार्टी के लिए रणनीति तैयार करेंगे। राज्य के प्रभारी से सीधे कनेक्ट होकर रणनीति को अमल में लाएंगे।

संगठन के बेहतर संचालन के लिए फुल टाइम पार्टी प्रेसिडेंट | भाजपा से मुकाबले वाले राज्यों में पार्टी स्ट्रक्चर में बदलाव | पार्टी में कम्युनिकेशन सिस्टम में बदलाव करने की जरूरत

पीके कांग्रेस में गठबंधन सहयोगियों के साथ बातचीत और सीट बंटवारे का काम देखेंगे। वे इसकी रिपोर्ट सीधे कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को करेंगे।

कांग्रेस के लिए पीके की स्ट्रेटजी क्या है?

प्रशांत किशोर ने अपने प्रेजेंटेशन में कांग्रेस में जान फूंकने के लिए कई सुझाव दिए हैं। इनमें देशभर में लोकसभा की 370 सीटों पर फोकस, बिहार-यूपी और ओडिशा में एकला चलो और तमिलनाडु और महाराष्ट्र में गठबंधन करने की रणनीति शामिल है।

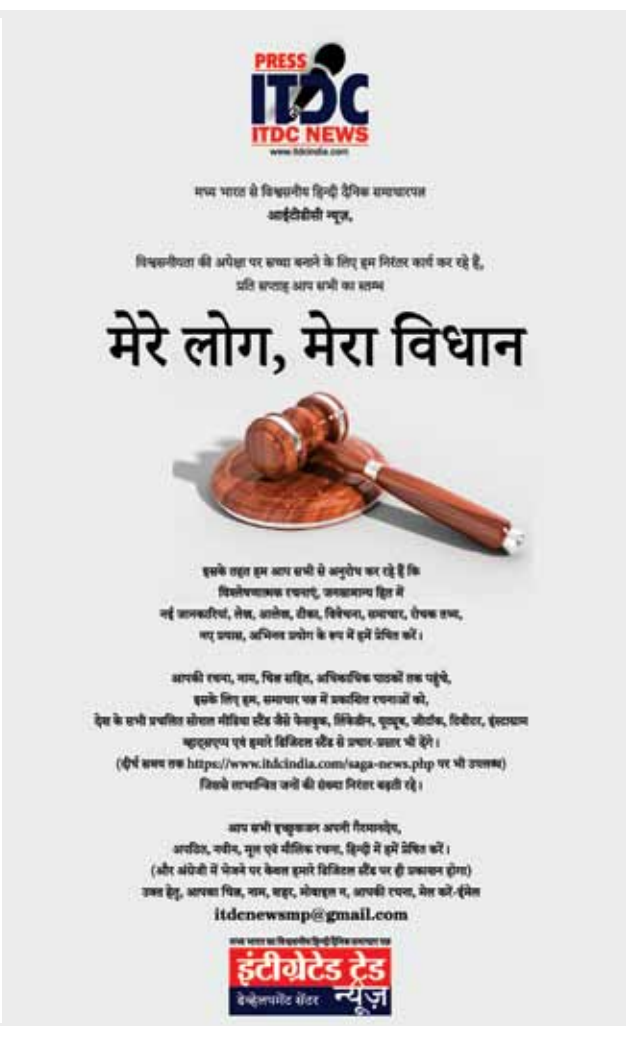

न्यूज़ ब्रीफ

लखनऊ की हार के दोषी बिश्नोई

4 ओवर में 47 रन लुटाए, बेंगलुरू के बल्लेबाजों ने उनकी गेंदों पर 4 चौके और 2 छक्के जड़ दिए

मुंबई । आईपीएल 2022 के 31वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 18 रन से हरा दिया। लखनऊ के सामने 182 रन का टारगेट था, जिसके जवाब में टीम 8 विकेट खोकर 163 रन ही बना सकी और मैच हार गई। लखनऊ की हार के सबसे बड़े जिम्मेदार रवि बिश्नोई रहे। मैच में उन्होंने 4 ओवर में 47 रन दे दिए। जब उनसे टीम को विकेट की जरूरत थी तब भी रवि ने खूब रन लुटाए।

बेंगलुरू को शुरुआती झटके लगे फिर भी टीम ने 182 रन बनाए:- मैच में बेंगलुरू की शुरुआत बहुत ही खराब रही। सलामी बल्लेबाज अनुज रावत सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हो गए। वहीं, नंबर-3 पर बल्लेबाजी करने आए विराट कोहली तो अपना खाता भी नहीं खोल पाए। ऐसे में कप्तान केएल राहुल ने रवि बिश्नोई को गेंद सौंपी। इस मैच से पहले रवि ने अच्छी गेंदबाजी की थी, लेकिन बेंगलुरू के बल्लेबाजों ने उन्हें आड़े हाथ लिया और उनके ओवरों में खूब रन बनाए। बिश्नोई ने 12 की इकोनॉमी से रन दिए। 62 रन पर शुरुआती 4 विकेट गंवाने वाली बेंगलुरू ने 181 रन बना दिए।

रवि को मैच में एक भी विकेट नहीं मिला

लखनऊ के लिए इस सीजन में रवि हर मुकाबले में अच्छा प्रदर्शन करते आए थे। ऐसे में उनसे उम्मीद भी थी, लेकिन मैच में उन्होंने रन भी दिए और उनके खाते में एक भी विकेट नहीं आया। इस सीजन में रवि ने 7 मैच खेले हैं और उनके खाते में 5 विकेट आए हैं।

होल्डर ने की कमाल की गेंदबाजी

लखनऊ के लिए जेसन होल्डर ने बेंगलुरू के खिलाफ मैच में कमाल की बॉलिंग की। उन्होंने 4 ओवर में केवल 25 रन देकर 2 विकेट चटकाए। होल्डर ने सुयाष प्रभुदेसाई (10) और फाफ डु प्लेसिस (96) के विकेट लिए। बेंगलुरू की पारी के आखिरी ओवर में जेसन ने 4 रन दिए और 1 विकेट भी लिया।

बेंगलुरू की 7 मैचों में ये 5वीं जीत

बेंगलुरू की 7 मैचों में ये 5वीं जीत रही। इस जीत के साथ ही टीम आईपीएल 2022 के पॉइंट्स टेबल में टीम दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। अभी तक टीम को केवल 2 मैचों में हार मिली है। वहीं, लखनऊ की 7 मैचों में ये तीसरी हार है। केएल राहुल की कप्तानी वाली टीम ने 4 मैच जीते हैं।

चेन्नई की टीम का लुंगी डांस : साउथ इंडियन लुक में नजर आए धोनी और जडेजा, डेवॉन कॉन्वे की प्री-वेडिंग सेरेमनी में जमकर की मस्ती

नई दिल्ली

आईपीएल की मौजूदा चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स जश्न में डूबी नजर आ रही है। चेन्नई के बल्लेबाज डेवॉन कॉन्वे की प्री-वेडिंग सेरेमनी के दौरान खिलाड़ियों ने खूब मस्ती की। डेवॉन कॉन्वे जल्द शादी करने वाले हैं। चेन्नई फ्रेंचाइजी ने कॉन्वे को स्पेशल फील कराने के लिए मुंबई के ट्राइडेंट होटल में यह कार्यक्रम आयोजित किया।

पार्टी में छा गए माही

न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेवॉन कॉन्वे की प्री-वेडिंग पार्टी में चेन्नई के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का जलवा रहा। माही यलो कुर्ते में नजर आए, जबकि दूल्हे राजा कॉन्वे सफेद कुर्ते और इंडियन लुंगी में नजर आए। धोनी काफी कूल दिखे और आयोजन में पूरे उत्साह के साथ शिरकत की।

कॉन्वे ने सभी साथियों के साथ जमकर फोटो खिंचवाए। 30 साल के डेवॉन कॉन्वे अपनी गर्लफ्रेंड किम वॉटसन से शादी करने वाले हैं। डेवॉन इस समय आईपीएल के लिए भारत में ही मौजूद हैं। उनकी गर्लफ्रेंड किम भी उनके साथ ही ठहरी हुई हैं।

पार्टी में किम वीडियो कॉल के जरिए जुड़ी थीं। कॉन्वे की प्री-वेडिंग सेरेमनी में चेन्नई टीम के सभी खिलाड़ी पारंपरिक पोशाक लुंगी में नजर आए। इस पार्टी में टीम के नए कप्तान रवींद्र जडेजा और धोनी समेत मिचेल सैंटनर, इंग्लैंड के मोईन अली, शिवम दुबे जैसे साथी प्लेयर्स मौजूद थे। आईपीएल 2022 सीजन के लिए चेन्नई टीम ट्राइडेंट होटल में ही ठहरी हुई है, जहां यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। पार्टी में डेवॉन कॉन्वे के साथ सभी खिलाड़ियों ने लुंगी में जमकर डांस भी किया।

अब तक आईपीएल में कुछ खास नहीं कर सके हैं कॉन्वे:- न्यूजीलैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज डेवॉन कॉन्वे का आईपीएल में यह पहला ही सीजन है। उन्होंने अब तक एक मैच खेला है, जिसमें सिर्फ 3 रन बनाए हैं। चेन्नई फ्रेंचाइजी ने कॉन्वे को

मेगा ऑक्शन में खरीदा था। इसके लिए एक करोड़ रुपए की बोली लगाई गई थी।

प्री-वेडिंग पार्टी में धोनी और जडेजा समेत सभी खिलाड़ियों और स्टाफ ने कॉन्वे को लिफाफा दिया। इस पार्टी में केक भी काटा गया। कॉन्वे के चेहरे पर केक मलकर टीम के प्लेयर्स ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। साथ ही सभी प्लेयर्स ने जमकर डांस भी किया। चेन्नई टीम ने अब तक सीजन में 6 में से सिर्फ एक ही मैच जीता है। बड़े खिलाड़ियों की परफॉर्मेंस में निरंतरता की कमी चेन्नई सुपरकिंग्स की दुर्दशा के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार है। फैंस को उम्मीद है कि इस कार्यक्रम में शिरकत करने के बाद टीम अब नए जोश और उत्साह के साथ मैदान पर उतरेगी।

क्या प्लेइंग-11 से बाहर होंगे कोहली

5 साल बाद गोल्डन डक पर आउट हुए, 7 मैच में 20 से भी कम के औसत से बनाए 119 रन

मुंबई

आईपीएल 2022 में विराट कोहली ने 7 मैच में 20 से भी कम के औसत से 119 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 130 से भी कम का रहा है। ऐसा नहीं है कि वो केवल आईपीएल में फ्लॉप हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट में भी उनकी आखिरी सेंचुरी 2019 में आई थी। उनके लगातार खराब फॉर्म को देखते हुए लग रहा है कि उन्हें आने वाले मुकाबलों में प्लेइंग इलेवन से भी बाहर किया जा सकता है।

5 साल बाद विराट गोल्डन डक पर आउट हुए

आईपीएल का 31वां मैच मुंबई के डीवाई पाटिल मैदान पर बेंगलुरु और लखनऊ के बीच खेला गया। लखनऊ के कप्तान केएल राहुल ने टॉस जीता और गेंदबाजी करने का फैसला किया। बेंगलुरू के लिए अनुज रावत और फाफ डु प्लेसिस सलामी बल्लेबाजी करने आए, लेकिन अनुज 4 रन बनाकर आउट हुए। अनुज के आउट होने के बाद मैदान पर उतरे विराट कोहली से बड़ी पारी की उम्मीद थी। गेंद श्रीलंका के दुष्मंथ चमीरा के हाथ में थी। उन्होंने ऑफ स्टंप के बाहर बैक ऑफ लेंथ बॉल फेंकी। गेंद गिरने के बाद ऑफ स्टंप से बाहर गई। विराट बैकफुट पर

जाकर कट करना चाहते थे और पहली ही गेंद पर दीपक हुड्डा को कैच दे बैठे। पूरे 5 साल बाद विराट आईपीएल में गोल्डन डक पर आउट हुए।

4 साल में सब बदल गया

लखनऊ के खिलाफ मैच से ठीक 4 साल पहले यानी 19 अप्रैल 2019 को कोलकाता के ईडन गार्डन्स मैदान पर बेंगलुरू और कोलकाता के बीच मैच खेला गया था। मैच में कोलकाता के कप्तान दिनेश कार्तिक ने टॉस जीता और पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बेंगलुरू के लिए सलामी बल्लेबाजी करने विराट कोहली और पार्थिव पटेल आए थे। पार्थिव तो 11 गेंद में 11 रन बनाकर आउट हो गए, लेकिन बेंगलुरू के कप्तान विराट उस दिन अलग ही मूड में थे। मैच में विराट ने 58 गेंदों का सामना किया और 100 रन जड़ दिए। उनके बल्ले से 9 चौके और 4 छक्के निकले। उनका स्ट्राइक रेट 172.41 का था। 2019 में जब विराट मैदान पर आते थे, तब फैंस को ये उम्मीद होती थी कि उनके बल्ले से रन जरूर निकलेंगे, लेकिन पिछले 4 साल में कोहली का खेल पूरी तरह से बदल गया है। अब ना बल्ले से रन निकल रहे हैं और ना किस्मत साथ दे रही है।

7 मैचों में एक भी फिफ्टी नहीं

इस सीजन में कोहली के बल्ले से एक भी फिफ्टी नहीं निकली है। आईपीएल में 5 शतक लगा चुका ये दिग्गज 2021 में भी खराब फॉर्म से गुजरा था। सीजन में विराट ने 15 मैच खेले और सिर्फ 119.46 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। वहीं, 2020 के सीजन में उनका स्ट्राइक रेट सिर्फ 121.35 का था।

इंटरनेशनल क्रिकेट में भी नहीं खेल पा रहे बड़ी पारी:- टीम इंडिया के लिए विराट का आखिरी शतक 23 नवंबर 2019 को बांग्लादेश के खिलाफ आया था। इसके बाद उनके बल्ले से एक भी सेंचुरी नहीं निकली है। विराट के फैन उनकी बड़ी पारी देखने को तरस गए हैं। हर मुकाबले में वो कोहली से अच्छी पारी की उम्मीद लगाकर स्टेडियम जाते हैं और उन्हें सिर्फ निराशा ही हाथ लगती है। इंटरनेशनल क्रिकेट में 70 शतक लगा चुके इस खिलाड़ी पर कितना भरोसा जताया जा सकता है, वह तो टीम मैनेजमेंट ही तय करेगा, लेकिन ये सच है कि पिछले कुछ सालों से कोहली का जादू फीका पड़ गया है।

अब गोल्फ में हाथ आजमा रहीं एश्ले बार्टी, जून में चैरिटी इवेंट में हिस्सा लेंगी

सिडनी

तीन बार की ग्रैंड स्लैम सिंगल्स चैंपियन एश्ले बार्टी ने पिछले महीने टेनिस की दुनिया को चौंका दिया था, जब उन्होंने इस खेल से संन्यास की घोषणा कर दी थी। उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने के 6 हफ्ते बाद ही टेनिस को अलविदा कह दिया था जबकि वे यह ग्रैंड स्लैम जीतने वाली 44 साल बाद पहली ऑस्ट्रेलियन थीं। अब वे एक बार फिर मैदान पर वापसी की तलाश में हैं। लेकिन टेनिस और क्रिकेट नहीं, बल्कि किसी अन्य खेल में। उन्होंने ब्रुकवाटर गोल्फ एंड कंट्री क्लब वुमंस क्लब चैंपियनशिप जीती। अब वे ग्लोबल गोल्फ टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। जून में न्यूजर्सी (अमेरिका) में आइकन गोल्फ सीरीज की पहली चैंपियनशिप होगी। यह चैरिटी टूर्नामेंट लिबर्टी नेशनल कोर्स पर खेला जाएगा। इस 9 होल वाली टीम चैंपियनशिप में खेल की दुनिया के कई सितारे हिस्सा लेंगे, जिसमें फुटबॉल क्लब मैनचेस्टर सिटी के मैनेजर पेप गुआर्डिओला, बॉक्सिंग सुपरस्टार कानेलो अल्वारेज, इंग्लिश स्ट्राइकर हैरी केन शामिल हैं। बार्टी ने कहा कि वे आइकन्स टूर्नामेंट का कॉन्सेप्ट ऑस्ट्रेलिया में लाने की इच्छुक हैं। 25 साल की बार्टी ने कहा, मैं आइकन्स सीरीज का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं।

बोस्टन मैराथन 2022 : पेरेस जेपचिरचिर पहली बार यहां विजेता बनीं, पुरुष कैटेगरी में केन्या के इवांस चेबेट जीते

बोस्टन

बोस्टन मैराथन का 126वां सीजन केन्या के धावकों के नाम रहा। महिला और पुरुष दोनों में केन्या के खिलाड़ी विजेता बने। टोक्यो ओलिंपिक चैंपियन पेरेस जेपचिरचिर महिला वर्ग में जीतीं। यह उनका 8 महीने में तीसरा मेजर खिताब है। पिछले साल अगस्त में ओलिंपिक में गोल्ड जीतने के बाद उन्होंने नवंबर में न्यूयॉर्क सिटी मैराथन भी जीती थी।

पेरेस को मिली चुनौती:- 29 साल की पेरेस ने दुनिया की इस सबसे पुरानी मैराथन में दो घंटे 21 मिनट एक सेकंड का समय निकाला। 124

साल पुरानी मैराथन में पेरेस को इथोपिया की एबेबेल येशानेह से जोरदार चुनौती मिली। वे पेरेस से सिर्फ 4 सेकंड पीछे रहीं। केन्या की ही मैरी गुगी तीसरे पर रहीं।

पुरुष कैटगिरी में भी केन्या के धावकों का दबदबा

पुरुष कैटेगरी में केन्या के धावकों ने पोडियम फिनिश किया। इवांस चेबेट ने गोल्ड जीता। 33 साल के इवांस ने पहली बार कोई मेजर मैराथन जीती। उन्होंने 2 घंटे 6 मिनट 51 सेकंड का समय लिया। लॉरेंस चेरोनो दूसरे और पिछली बार के विजेता बेनसन किप्रूटो तीसरे पर रहे।

केएल राहुल को लगा दोहरा झटका : आईपीएल के कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन पर राहुल पर मैच का 20 प्रतिशत फाइन; स्टोइनिस को चेतावनी

मुंबई

लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान केएल राहुल पर आईपीएल के कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन पर 20 प्रतिशत फाइन लगाया गया है। वहीं साथ खिलाड़ी मार्कस स्टोइनिस पर भी अंपायर के साथ बहस करने पर चेतावनी दी गई है। दरअसल मंगलवार को रॉयल चैंलेजर्स बेंगलुरु और लखनऊ जायंट्स के बीच खेले गए मैच में लखनऊ के कप्तान केएल राहुल को आईपीएल के कोड ऑफ कंडक्ट के उल्लंघन का दोषी माना गया और उन पर जुर्माना लगाया है। राहुल ने अपनी गलती को स्वीकार कर लिया।

स्टोइनिस को चेतावनी

केएल राहुल के अलावा लखनऊ सुपर जायंट्स के ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस को भी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मैच के दौरान आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए चेतावनी दी गई।

दरअसल स्टोइनिस बेंगलुरू के खिलाफ मैच में जोश हेजलवुड की एक गेंद पर बड़ा शॉट खेलने के चक्कर में स्टोइनिस बोल्ड हो गए थे। हेजलवुड की गेंद स्टोइनिस के बल्ले का किनारा लेते हुए विकेट पर जा लगी थी। इसके बाद स्टोइनिस अंपायर पर गुस्सा हो गए थे। उन्होंने गुस्से में उन्होंने अंपायर के लिए गलत शब्दों का इस्तेमाल किया, जो स्टंप माइकोफोन में रिकॉर्ड हो गए। इसी हरकत के कारण स्टोइनिस को चेतावनी दी गई। स्टोइनिस की नाराजगी की वजह अंपायर क्रिस गैफनी का हेजलवुड की पिछली गेंद को वाइड करार नहीं देने का फैसला था।

स्टोइनिस के आउट होते ही बेंगलुरू का पलड़ा भारी हो गया

स्टोइनिस के आउट होते ही मैच में का पलड़ा बेंगलुरू की तरफ झुक गया। आखिर कार बेंगलुरु ने लखनऊ को 8 विकेट पर 163 रन के स्कोर पर रोक दिया और इस तरह यह मुकाबला 18 रन से जीत लिया। स्टोइनिस 15 गेंद में 24 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, केएल राहुल ने 24 गेंद में 30 रन बनाए।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा सयुंक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle), ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

पांच दिन में 5 फीसदी गिरा बाजार

नई दिल्ली

पिछले पांच कारोबारी सत्रों में बेंचमार्क सूचकांकों में करीब 5 फीसदी की गिरावट आई है। अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल बढ़ने और वैश्विक वृद्धि परिदृश्य को लेकर चिंता के बीच विदेशी निवेशकों की बिकवाली से बाजार में गिरावट देखी जा रही है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने आज 5,871 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की बिकवाली की। दो दिन में विदेशी निवेशकों ने 12,000 करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में बेंचमार्क सेंसेक्स 703 अंक लुढ़ककर 56,463 पर बंद हुआ। पांच सत्र में सेंसेक्स करीब 2,984 अंक या 5.02 फीसदी लुढ़क चुका है। 4 अप्रैल को 18,000 के स्तर को पार करने के बाद निफ्टी आज 17,000 से नीचे बंद हुआ। कारोबार की समाप्ति पर निफ्टी 215 अंक नीचे 16,958 पर बंद हुआ। एचडीएफी और एचडीएफसी बैंक के साथ ही इन्फोसिस के शेयरों में गिरावट का असर सूचकांक में दिखा है। एचडीएफसी बैंक 3.7 फीसदी और एचडीएफसी 5.5 फीसदी गिरावट पर बंद हुआ। इन्फोसिस में 3.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। अगर रिलायंस इंडस्ट्रीज में लिवाली नहीं हुई होती तो सूचकांक और नीचे आ सकता था। रिलायंस इंडस्ट्रीज में 3.7 फीसदी की तेजी दर्ज की गई, जिससे सेंसेक्स की गिरावट को संभालने में 288 अंक का योगदान दिया। एचडीएफसी बैंक और इन्फोसिस के तिमाही नतीजे निवेशकों की उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे जिससे वित्तीय और आईटी शेयरों में बिकवाली हो रही है। अवेंडस कैपिटल अल्टरनेट स्ट्रैटजीज के मुख्य कार्याधिकारी एंड्रयू हॉलैंड ने कहा, %इन्फोसिस और एचडीएफसी बैंक अपने-अपने क्षेत्र के सबसे अच्छे शेयर हैं। थोक मुद्रास्फीति भी काफी ऊंची रही। आने वाले कुछ दिनों में बाजार में और उतार-चढ़ाव रह सकता है। घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 4,000 करोड़ रुपये की लिवाली की है। एक दिन पहले भी घरेलू निवेशकों ने इतनी ही राशि निवेश की है। रूस-यूक्रेन युद्ध और ऊंची मुद्रास्फीति से निवेशकों में घबराहट है। अमेरिका में 10 वर्षीय बॉन्ड का प्रतिफल 2.8 फीसदी पर कारोबार कर रहा था, जो दिसंबर 2018 के बाद का उच्चतम स्तर है। निवेशक अमेरिका में अगले महीने ब्याज दरों में 50 आधार अंक की बढ़ोतरी की उम्मीद कर रहे हैं। इस बीच फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेम्स बुलार्ड ने सोमवार को कहा था कि दरें 75 आधार अंक तक बढ़ाई जा सकती हैं। पिछली बार इतनी तीव्र बढ़ोतरी 1994 में की गई थी। दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों पर मुद्रास्फीति और यूक्रेन युद्ध का दबाव देखा जा रहा है। उन पर वृद्धि को सहारा देने के साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था को नरमी से उबारने की भी जिम्मेदारी है। भू-राजनीतिक तनाव को देखते हुए विश्व बैंक ने 2022 के लिए वैश्विक वृद्धि का अनुमान 4.1 फीसदी से घटाकर 3.2 फीसदी कर दिया है। रिलायंस सिक्योरिटीज में शोध प्रमुख मितुल शाह ने कहा, %बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के नतीजे आ रहे हैं और बाजार कंपनियों की कमाई और प्रबंधन के बयान पर करीब से नजर रख रहा है। इसके साथ ही वैश्विक शेयर बाजार, डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल और कच्चा तेल भी निकट अवधि में शेयर बाजार को प्रभावित कर सकता है।

न्यूज ब्रीफ

खाद महंगी होने का असर
इस साल 3.6 करोड़ टन घट सकता है चावल का ग्लोबल प्रोडक्शन, यह दुनिया की आधी आबादी का मुख्य भोजन

नई दिल्ली। रूस-यूक्रेन युध्द के चलते फर्टिलाइजर खासकर डीएपी के दाम बढ़ने की वजह से भारत समेत पूरे एशिया में धान किसान इसका इस्तेमाल घटा रहे हैं। इसके चलते चावल के प्रोडक्शन में भारी कमी आने की आशंका है, जो दुनिया की आधी आबादी का मुख्य भोजन है। भारत से लेकर वियतनाम और फिलिपीन्स तक बीते एक साल में विभिन्न उर्वरकों (खाद) के भाव तीन गुना तक हो गए हैं। इसके चलते किसानों ने प्रोडक्शन बढ़ाने वाले इन केमिकल्स का इस्तेमाल कम कर दिया है। 'इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टिट्यूट' का आकलन है कि इसकी वजह से अगले सीजन में चावल का वैश्विक प्रोडक्शन 10 फीसदी यानी 3.6 करोड़ टन तक घट सकता है। इतने चावल से 50 करोड़ लोगों का पेट भरा जा सकता है।
इंस्टिट्यूट के सीनियर एग्रीकल्चर इकोनॉमिस्ट हमनाथ भंडारी ने कहा, 'प्रोडक्शन में कमी का यह आकलन कमतर है। यदि यूक्रेन में युद्ध जारी रहता है तो चावल के प्रोडक्शन में 10 फीसदी से ज्यादा कमी आ सकती है। यह गंभीर मामला इसलिए है कि डिनर टेबल पर आने वाली हर थाली में खाद की बड़ी भूमिका होती है।'

कमजोर येन, महंगे तेल के चलते जापान का व्यापार घाटा मार्च में अनुमान अधिक रहा

नई दिल्ली। जापान का व्यापार घाटा मार्च में अनुमान से अधिक रहा है। सरकार ने बुधवार को यह जानकारी दी। कमजोर येन और तेल तथा खाद्य जरूरतों के आयात की बढ़ती लागत के कारण ऐसा हुआ। जापान का व्यापार घाटा मार्च में 412 अरब येन (3.2 अरब डॉलर) रहा, जो इससे पिछले महीने के घाटे 670 अरब येन के मुकाबले कम है, लेकिन विश्लेषकों के अनुमान के मुकाबले काफी अधिक है। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था ने पिछले साल समान अवधि में 615 अरब येन का अधिशेष हासिल किया था। कमजोर येन जापानी निर्यात को विदेशों में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाता है, लेकिन इससे उपभोक्ताओं और व्यवसायों, दोनों के लिए लागत भी बढ़ती है। जापान के वित्त मंत्री शुनिची सुजुकी ने डॉलर की तेजी पर चिंता जताते हुए कहा कि विनिमय दरों में अचानक बदलाव से व्यापार जोखिम बढ़ जाता है।

कम हो रहे नेटफ्लिक्स सब्सक्राइबर्स

100 दिन में घटे 2 लाख से ज्यादा सब्सक्राइबर्स

टूटा 10 साल का रिकॉर्ड

नई दिल्ली

नेटफ्लिक्स को पिछली कुछ तिमाही में जोरदार नुकसान उठाना पड़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक इस साल की पहली तिमाही में नेटफ्लिक्स के यूजर कम हो गए हैं। करीब 100 दिनों में नेटफ्लिक्स के 2 लाख से ज्यादा सब्सक्राइबर्स कम हुए हैं। नेटफ्लिक्स के इतिहास में यह पहली बार हुआ है जब इतनी बड़ी संख्या में सब्सक्राइबर्स कम हो गए हैं। 31 मार्च 2022 को खत्म हुई तिमाही के मुताबिक नेटफ्लिक्स के सब्सक्राइबर्स की संख्या घटकर 221.6 मिलियन (22.16 करोड़) हो गई है। जो कि पिछले साल की पहली तिमाही के मुकाबले थोड़ा कम है।

रूस और यूक्रेन युद्ध बनी वजहः- नेटफ्लिक्स का दावा है कि सब्सक्राइबर्स घटने की वजह रूस और यूक्रेन युद्ध है। नेटफ्लिक्स ने रूस में अपनी सर्विस को बंद कर दिया है। साथ ही यूक्रेन में भी नेटफ्लिक्स सर्विस युद्ध की वजह से प्रभावित चल रही है। ऐसे में कंपनी का दावा है कि युद्ध की वजह उसके सब्सक्राइबर्स की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है।

कंपनी के शेयर में 25 फीसदी की गिरावटः- सिलिकॉन वैली टेक फर्म नेटफ्लिक्स का इस साल की पहली तिमाही में कुल कमाई 1.6 बिलियन डॉलर रही है। जबकि पिछले साल की पहली तिमाही की कुल कमाई 1.7 बिलियन डॉलर रही थी। नेटफ्लिक्स के 2 लाख सब्सक्राइबर्स घटने के बाद कंपनी के शेयर में 25 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है।

अकाउंट शेयर करने की वजह से घटे सब्सक्राइबर

कंपनी का कहना है कि कोविड की वजह से लोग ज्यादा संख्या में वर्क फ्रॉम होम कर रहे थे, जिसकी वजह से साल 2020 में कंपनी की ग्रोथ रेट काफी तेज रही थी। नेटफ्लिक्स का मानना कि सब्सक्राइबर अपने घरों में नहीं रहने वाले लोगों के साथ अपने अकाउंट शेयर करते हैं, जिससे कंपनी को नुकसान उठाना पड़ रहा है।

फ्री में इस्तेमाल कर रहे नेटफ्लिक्सः- कंपनी ने बताया कि करीब 222 मिलियन परिवार नेटफ्लिक्स का इस्तेमाल कर रहे हैं, जबकि नेटफ्लिक्स अकाउंट की संख्या 100 मिलियन है। सस्ते इंटरनेट डेटा और स्मार्ट टीवी पर नेटफ्लिक्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। लेकिन टेलीविजन स्ट्रीमिंग सर्विस का भुगतान नहीं कर रहे हैं। नेटफ्लिक्स ने पिछले साल अकाउंट शेयर करने वाले लोगों से पैसे कमाने के तरीकों की टेस्टिंग शुरू की है।

फरवरी में मोबाइल सब्सक्राइबर्स की संख्या घटी
जियो से लोगों का हो रहा मोह भंग, एयरटेल ने जोड़े 15.91 लाख नए ग्राहक

नई दिल्ली

फरवरी में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या घटकर 116.60 करोड़ रह गई है। इस दौरान देश में रिलायंस जियो और वोडाफोन आइडिया के ग्राहक घटे हैं। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण के मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार भारत में टेलीफोन ग्राहकों की संख्या जनवरी 2022 के अंत के 116.94 करोड़ थी जो फरवरी 2022 के अंत में 116.60 करोड़ रह गई है।

फरवरी में लगातार तीसरे महीने रिलायंस के घटे ग्राहकः- फरवरी लगातार तीसरा महीना था जब रिलायंस जियो ने अपने मोबाइल ग्राहक गंवाए हैं। कंपनी के मोबाइल ग्राहकों की संख्या 36.6 लाख घटकर 40.27 करोड़ रह गई। VI के मोबाइल ग्राहकों की संख्या में भी गिरावट आई। इसने 15.32 लाख मोबाइल ग्राहकों को खो दिया, जबकि बीएसएनएल और एमटीएनएल के क्रमशः 1.11 लाख और 5,097 कनेक्शन कम हुए।

एयरटेल ने 15.91 लाख नए ग्राहक जोड़े

आंकड़ों के मुताबिक, मोबाइल खंड में भारती एयरटेल एकमात्र कंपनी रही, जिसके कनेक्शनों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। भारती एयरटेल ने फरवरी में 15.91 लाख नए ग्राहक जोड़े। इसके साथ ही इसके ग्राहकों की संख्या 35.80 करोड़ पर पहुंच गई है।

आईपीएल की ब्रांड वैल्यू हो सकती है कम

मुंबई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की ब्रांड वैल्यू पर इस बार असर पड़ सकता है क्योंकि इस टी20 टूर्नामेंट को टेलीविजन पर अपेक्षाकृत कम दर्शक मिले हैं। इसके साथ ही कोविड महामारी का भी असर है। दिल्ली कैपिटल टीम के पांच सदस्यों के कोरोना संक्रमित होने के बाद भारतीय क्रिकेब्ट कंट्रोल बोर्ड ने 20 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल और पंजाब किंग्स इलेवन के बीच मुंबई में होने वाले मुकाबले को पुणे में कराने की घोषणा की। पिछले साल कुछ खिलाडियों के कोविड-19 से संक्रमित होने के बाद आईपीएल को मई में अस्थायी तौर पर स्थगित कर दिया गया था। इस बार दो साल के बाद स्टेडियम में दर्शकों की मौजूदगी के बीच टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। 2021 में करीब चार महीने के अंतराल के बाद आईपीएल का आयोजन सितंबर-अक्टूबर के दौरान दुबई में किया गया था। सालाना ब्रांड ट्रस्ट रिपोर्ट जारी करने वाली मुंबई की ब्रांड इंटेलिजेंस एवं सलाहकार फर्म टीआरए रिसर्च के मुख्य कार्याधिकारी एन चंद्रमौलि ने कहा कि इस साल दर्शकों का कमजोर रुझान इसी तरह बना रहा तो आईपीएल की ब्रांड वैल्यू में करीब 3 से 4 फीसदी की कमी आ सकती है। उन्होंने कहा, %दर्शकों की ज्यादा संख्या से विज्ञापनों को भी बढ़ावा मिलता है जिसका असर आईपीएल की समग्र ब्रांड वैल्यू पर पड़ता है। अगर दर्शकों की संख्या कम बनी रही तो आईपीएल की ब्रांड वैल्यू पर इस साल असर पड़ सकता है।% ब्रॉडकास्ट अलायंस रिसर्च काउंसिल ऑफ इंडिया के आंकड़ों के अनुसार इस साल आईपीएल टूर्नामेंट के दूसरे हफ्ते में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में सभी आयु वर्ग में टीवी रेटिंग 34 से 40 फीसदी घटी है। पहले हफ्ते में यह गिरावट 32 से 38 फीसदी थी। इंटरब्रांड इंडिया के प्रबंध निदेशक आशिष मिश्रा ने कहा कि टी20 टूर्नामेंट को इस साल कई स्तरों पर अड़चनों से जूझना पड़ रहा है।

धक्कों के बाद भी इलेक्ट्रिक वाहन की रफ्तार धीमी

नई दिल्ली

इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के नए ब्रांडों की शुरुआत होने के साथ ही ईवी पर जोर देने के सरकारी प्रयासों के नतीजे देखने को मिल रहे हैं, लेकिन इसका असर वाहन उद्योग के कुछ क्षेत्रों और कुछ राज्यों में ही देखा जा रहा है। बिज़नेस स्टैंडर्ड ने वाहन पोर्टल के आंकड़ों के विश्लेषण में पाया कि इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों (ई2डब्ल्यू) के पंजीकरण का योगदान पिछले वित्त वर्ष में यात्री श्रेणी के कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री का लगभग दो प्रतिशत हिस्सा था। वर्ष 2021-22 में बेचे गए 1.2 करोड़ दोपहिया वाहनों में से 228,669 इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन थे। हालांकि कुल मिलाकर, पिछले वित्त वर्ष में दोपहिया वाहनों की बिक्री कम रही थी और वर्ष 2020-21 की तुलना में इसमें केवल 3.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई और ई2डब्ल्यू की बिक्री में 480.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई हालांकि इस वृद्धि के आकार का आधार बेहद कम था। कारों की बिक्री में वृद्धि कम थी। इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री का योगदान

कुल बेचे गए निजी कारों का केवल 0.5 प्रतिशत है और पिछले साल की तुलना में इसमें 266.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हालांकि वाणिज्यिक वाहनों के क्षेत्र की बात करें तो इसमें उनका प्रदर्शन काफी बेहतर रहा। हल्के यात्री वाहन श्रेणी में, 1.4 प्रतिशत बिक्री इलेक्ट्रिक वाहनों की थी। वर्ष 2020-21 में इलेक्ट्रिक कारों की हिस्सेदारी 0.8 फीसदी तक रही। भारी यात्री वाहन श्रेणी (ट्रेलरों और बसों) में, पिछले वित्त वर्ष में बेचे गए 10 वाहनों में से एक इलेक्ट्रिक वाहन था। इसके विपरीत, वाणिज्यिक श्रेणी में पंजीकृत तीन दोपहिया वाहनों में से एक इलेक्ट्रिक वाहन था।

दिल्ली में, वर्ष 2021-22 में बिकने वाले भारी यात्री वाहनों में से छठा हिस्सा इलेक्ट्रिक श्रेणी के वाहनों का था। दिल्ली सरकार ने अपनी 2020 की नीति में इलेक्ट्रिक श्रेणी में 25 प्रतिशत नए वाहन पंजीकरण कराने का लक्ष्य निर्धारित किया था। आंकड़ों के राज्यवार विश्लेषण से पता चलता है कि चार राज्यों ने सबसे अधिक बिक्री में योगदान दिया। निजी कार खंड में कुल बिक्री का 38 प्रतिशत अकेले महाराष्ट्र का ही है। दिल्ली का हिस्सा 10 प्रतिशत से थोड़ा अधिक था जबकि केरल की कुल बिक्री में 13 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। वर्ष 2017-18 और 2021-22 के बीच, केरल में इलेक्ट्रिक कारों के पंजीकरण में 48 गुना वृद्धि हुई जबकि इस अवधि के दौरान देश में इलेक्ट्रिक वाहन पंजीकरण में 17 गुना वृद्धि हुई।

तमिलनाडु में 168 गुना की वृद्धि दर्ज की गई जबकि राजस्थान और महाराष्ट्र में क्रमशः 76 और 50 गुना की वृद्धि दर्ज की गई। कर्नाटक में वर्ष 2017-18 में सबसे अधिक इलेक्ट्रिक वाहनों का पंजीकरण हुआ था जो महाराष्ट्र से भी अधिक था हालांकि यह देश में चौथे स्थान पर फिसल गया था। कर्नाटक के इलेक्ट्रिक चार पहिया वाहनों के पंजीकरण में वर्ष 2017-18 और 2021-22 के बीच छह गुना वृद्धि हुई है। गैर-परिवहन दोपहिया खंड में, महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के पंजीकरण में 50 प्रतिशत की हिस्सेदारी थी। महाराष्ट्र के दोपहिया वाहनों के पंजीकरण में वर्ष 2017-18 और 2021-22 के बीच 108 गुना की वृद्धि हुई जो देश की इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री में 122 गुना वृद्धि से कम है।

वर्ष 2017-18 में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी 22.4 प्रतिशत थी जबकि 2021-22 में इसकी हिस्सेदारी घटकर सिर्फ 4.4 प्रतिशत रह गई थी। हरियाणा की हिस्सेदारी 14.3 प्रतिशत से घटकर 2.5 प्रतिशत रह गई थी। इन आंकड़ों का संदेश स्पष्ट है कि राज्य सरकारों को अपनी बिक्री के एक बड़े हिस्से को इलेक्ट्रिक वाहनों में तब्दील करने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए चार्जिंग बुनियादी ढांचे के निर्माण पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलप सेंटर न्यूज के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलेपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91 जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र।
आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, फोन- 0755-42223334, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल होगा।)